राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 56
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
रविवार 25 जनवरी 2026
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 एसआईटी आज देगी सीएम को रिपोर्ट, 100 लोगों के बयान

पेज 4 संभल में थाने की बैरक में मिली सिपाही की लाश

पेज 6 ऑस्ट्रेलियाई ओपन : नाओमी ओसाका चोट के कारण तीसरे दौर

संक्षिप्त खबरें

केंद्र सरकार राज्यपालों को कठपुतली बना रही

गवर्नर गैर-बीजेपी सरकारों को परेशान करते हैं, उन्हें पीएम ऑफिस से ऑर्डर मिल रहे : खड़गे

हुबली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि पीएम ऑफिस और केंद्रीय गृह मंत्रालय गवर्नरों को निर्देश दे रहे हैं। खड़गे ने भाजपा सरकार पर कांग्रेस की सत्ता वाले और दूसरी गैर-भाजपा राज्य सरकारों को परेशान करने के लिए गवर्नरों को कठपुतली बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के हुबली में एक जनसभा के दौरान लोगों से आने वाले सभी चुनावों में भाजपा के खिलाफ वोट करने की अपील की और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर तानाशाही शासन आ सकता है।

दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में युवक की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

नई दिल्ली। दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में शनिवार देर रात 32 साल के युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात बुलंद मस्जिद क्षेत्र में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस के मुताबिक 24 जनवरी की रात करीब 11: 24 बजे शास्त्री पार्क थाना क्षेत्र में फायरिंग की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि समीर उर्फ मुस्तकीम उर्फ कामू पहलवान को गोली मारी गई है। पुलिस ने मृतक की पहचान 32 वर्षीय समीर उर्फ मुस्तकीम उर्फ कामू पहलवान के रूप में की है। वह बुलंद मस्जिद इलाके का रहने वाला था।

विसर्जन जुलूस

कोलकाता में हुगली नदी के किनारे देवी सरस्वती की प्रतिमा के विसर्जन जुलूस में नर्सिंग कॉलेज की छात्राएं।

सारंडा जंगल में ऑपरेशन मेघाबुरु, 17 नक्सली ढेर

चाईबासा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम स्थित सारंडा जंगल में सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन मेघाबुरु के तहत एक बड़ी नक्सल विरोधी कार्रवाई की है। इस अभियान में कुल 17 इनामी नक्सली मारे गए हैं। डीजीपी तादाशा मिश्रा ने इसे राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी सफलता बताया है। मारे गए नक्सलियों में भाकपा के सेंट्रल कमेटी सदस्य पतिराम मांझी उर्फ अनल प्रमुख है। अनल पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था और वह झारखंड, ओडिशा तथा छत्तीसगढ़ में संगठन का मुख्य रणनीतिकार था। डीजीपी ने पुष्टि की है कि मुठभेड़ में मारे गए सभी नक्सली इनामी थे।

पहाड़ों पर भारी हिमपात

दिल्ली-यूपी में में शीतलहर का सितम, पंजाब-हरियाणा में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तर भारत के बड़े हिस्से अभी भी शीतलहर की चपेट में हैं। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पिछले दिनों हुई भारी बर्फबारी और बारिश के बाद मैदानी इलाकों में तापमान में तेज गिरावट आई है।

दिल्ली-एनसीआर सहित पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में घना कोहरा और ठंडी हवाओं ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी के कारण जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सड़कों पर दो से तीन फुट तक बर्फ जमने यातायात प्रभावित हो रही है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और जम्मू के डोडा में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है।

दिल्ली-एनसीआर में स्थिति

शुक्रवार को हुई बा रिश के बाद शनिवार सुबह से घना कोहरा छाया रहा। न्यूनतम तापमान 8-9 डिग्री

सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया, जो सामान्य से थोड़ा ऊपर है लेकिन तेज ठंडी हवाओं के कारण कंपकंपी बढ़ गई है।

आईएमडी के अनुसार, अगले 2-3 दिनों तक शीतलहर और घने कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है, जिससे न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री की और गिरावट संभव है।

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी

बसंत पंचमी के आसपास ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी के साथ कुछ स्थानों पर भारी हिमपात हुआ। इससे मौसम में अचानक बदलाव आया और मैदानों में ठंड बढ़ गई।

पंजाब-हरियाणा-चंडीगढ़ में कड़ाके की सर्दी

बारिश के बाद तापमान में भारी गिरावट आई। 24 और 25 जनवरी को इन राज्यों के कई हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिससे दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई है। यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

बंगाल एसआईआर : 'ईसी' ने गड़बड़ी वाले 1.25 करोड़ नाम सार्वजनिक किए

- पंचायत-ब्लॉक ऑफिस में चिपकाई जाएगी लिस्ट, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- जांच पारदर्शी रहे

नई दिल्ली/कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चुनाव आयोग ने एसआईआरकी लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी लिस्ट वेबसाइट पर डाली, पंचायत-ब्लॉक और वार्ड दफ्तरों में चस्पा होगी

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार एसआईआर के तहत 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' लिस्ट में शामिल मतदाताओं के नाम शनिवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिए। अब यह सूची ग्राम पंचायत भवनों, ब्लॉक कार्यालयों और नगर वार्ड दफ्तरों में चिपकाई जाएगी।

मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार ने कहा कि एसआईआर 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रहा है। बाकी राज्यों में इसे जल्द लागू किया जाएगा।

19 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी नोटिस वाले 1.25 करोड़ वोटर्स को लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक करने के निर्देश दिए थे।

सूत्रों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन को लेकर चुनाव आयोग असमंजस में था, क्योंकि बूथ लेवल ऑफिसर्स को जरूरी सॉफ्टवेयर शुक्रवार देर रात तक नहीं मिल पाया था।

राहुल बोले- चुनाव आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं

- वोट चोरी की साजिश में शामिल; दावा- गुजरात एसआईआर में गड़बड़ी, कांग्रेस का वोटर काटा गया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया, 'जहां-जहां एसआईआर है, वहां-वहां वोट चोरी है। एसआईआर अब एक व्यक्ति, एक वोट के संवैधानिक अधिकार को नष्ट करने का हथियार बन चुका है, जिससे सत्ता का फैसला जनता नहीं भाजपा करे।

उन्होंनें शनिवार को एक्स पोस्ट में लिखा- गुजरात में एसआईआर के नाम पर जो किया जा रहा है, वह एक सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक

वोट चोरी है। चुनाव आयोग इस वोट चोरी की साजिश में प्रमुख सहभागी है। राहुल ने दावा किया कि कांग्रेस को समर्थन देने वाले खास समुदायों और बूथों से चुन-चुनकर वोट हटाए गए। जहां-जहां भाजपा को हार का अंदेशा होता है, वहां मतदाताओं को सिस्टम से ही गायब कर दिया जाता है। राहुल की पोस्ट गुजरात कांग्रेस की एक्स पोस्ट पर आई है। इसमें कहा गया कि राहुल गांधी ने वोटों में हेराफेरी को उजागर किया। इसके बाद से भाजपा ने चुनाव में धांधली का 'नेक्स्ट लेवल मॉडल' अपना लिया है।

राहुल बोले- एसआईआर थोपा गया

राहुल ने दावा किया कि कर्नाटक के आलंद में भी यही पैटर्न दिखा है। यही महाराष्ट्र के राजुरा में हुआ। अब यही ब्लूप्रिंट गुजरात, राजस्थान और हर उस राज्य में लागू किया जा रहा है। जहां एसआईआर थोपा गया है। एसआईआर को एक व्यक्ति, एक वोट के संवैधानिक अधिकार को खत्म करने के हथियार में बदल दिया गया है।

कोलकाता के अलीपुर जू में चमगादड़ों के सैंपल की जांच शुरू, अब तक दो नर्स संक्रमित

कोलकाता। बंगाल में निपाह वायरस के मामलों की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की टीम ने कोलकाता के अलीपुर प्राणि उद्यान (जू) में चमगादड़ों के रक्त और स्वैब नमूने एकत्र कर आरटी-पीसीआर जांच शुरू की है। सूत्रों के अनुसार, एनआइएमआर की विशेषज्ञ टीम ने गुरुवार और शुक्रवार तड़के चिड़ियाघर परिसर में मौजूद चमगादड़ों से नमूने लिए। यह कार्य सुबह-सवेरे पूरा किया गया, ताकि आम लोगों की आवाजाही से पहले जांच की प्रक्रिया संपन्न हो सके। कोलकाता में अलीपुर चिड़ियाघर में चमगादड़ों की पर्याप्त संख्या पाई जाती है। स्वास्थ्य विभाग के अनुरोध पर वन विभाग से विशेष अनुमति लेकर यह सैंपलिंग की गई।

गुजरात में भीषण सड़क हादसे में 7 राजस्थानियों की मौत

डिवाइडर तोड़कर इनोवा पर पलटा ट्रक; गाड़ी के उड़े परखच्चे, अंदर फंसे शव

पाली। गुजरात के बनासकांठा जिले में शनिवार को भीषण सड़क हादसे में राजस्थान के 7 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इनोवा के परखच्चे उड़ गए। हादसा अमीरगढ़ तालुका के इकबालगढ़ के पास पालनपुर-आबू हाईवे पर हुआ। रॉन्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने इनोवा कार को टक्कर मार दी और पलट गया। हादसे के बाद हाईवे पर करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना पर अमीरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। बनासकांठा एसपी प्रशांत सुम्बे भी मौके पर पहुंचे

और हादसे की जानकारी ली।

इनोवा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई

बनासकांठा एसपी प्रशांत सुम्बे ने बताया- इकबालगढ़ के पास हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक (जीजे-19-एक्स-8823 नंबर) रॉन्ग साइड से आ रहा था। उसने सामने से आ रही इनोवा कार (आरजे-22-टीए-3107 नंबर) को टक्कर मार दी और पलट गया। हादसे में इनोवा गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार 7 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला

सूचना पर पीआई बी.डी. गोहिल सहित अमीरगढ़ पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी 7 शवों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में रखवाया। हादसे में गंभीर घायल 3 लोगों को इलाज के लिए पालनपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हैप्पी मॉर्निंग

अभी छत की 3-4 सीढ़ियां चढ़ा
ही था कि
भाभी बोली- कहां जा रहे हो देवर
जी? देवर- छत पर चिड़िया को
दाने डालने जा रहा हूं
भाभी- तुम्हारी चिड़िया सात
दिन के लिए,
अपनी बहन के घर गई
है...

शायरी

ना पूछो जात मेरी, ना धरम मेरा,
जब बात आए देश की,
बस नाम हो
'हिंदुस्तानी' मेरा।

'अब सीईओ को बीएलओ पर सीधी कार्रवाई का अधिकार'

नए आदेश से राज्य स्तर पर जवाबदेही तय होगी और चुनावी मशीनरी में अनुशासन मजबूत होगा

कोलकाता। आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने की दिशा में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने एक अहम प्रशासनिक फैसला लिया है।

राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) के खिलाफ सीधे अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें आयोग से पूर्व

अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि केवल की गई कार्रवाई की सूचना आयोग को देनी होगी।

आयोग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, सीईओ जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) या निर्वाचक निबंधन अधिकारी (ईआरओ) की रिपोर्ट के आधार पर अपने स्तर पर निर्णय ले सकते हैं। इस दायरे में लापरवाह बीएलओ को निलंबित करना, विभागीय जांच शुरू करना और गंभीर मामलों में एफआइआर दर्ज कराने जैसे कदम शामिल हैं।

अब तक ऐसे मामलों में अंतिम निर्णय चुनाव आयोग के स्तर पर लिया जाता था, जिससे कार्रवाई में अक्सर देरी होती थी इसीलिए जरूरी था बदलाव आयोग के आकलन में सामने आया है कि एसआइआर जैसे संवेदनशील कार्यों में कई स्थानों पर बीएलओ स्तर पर लापरवाही और अनियमितताएं हुई हैं।

उज्जैन के तराना में रातभर उपद्रव

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के तराना में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात उपद्रवियों ने कई स्थानों पर पत्थरबाजी और आगजनी की। पुलिस ने बल प्रयोग कर उपद्रवियों को खदेड़ा। शनिवार की सुबह प्रशासन ने स्थिति पर पूरी तरह काबू पा लिया। दिनभर शांति रही। एहतियातन बाजार बंद रहे। सिर्फ पेट्रोल पंपों को चालू किया गया। सुरक्षा को लेकर भारी पुलिस बल तैनात है।

सीडी कांड में दोबारा घिरे भूपेश बघेल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। 2017 के बहुचर्चित सेक्स सीडी मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित सभी आरोपियों के लिए राहत भरा फैसला पलट दिया गया है। रायपुर की विशेष सीबीआई अदालत (सेशन कोर्ट) ने शनिवार 24 जनवरी 2026 को दिए अपने आदेश में निचली अदालत (मजिस्ट्रेट कोर्ट) के 2024 के उस फैसले को रद कर दिया, जिसमें भूपेश बघेल को दोषमुक्त (डिस्चार्ज) घोषित किया गया था। कोर्ट ने सीबीआई की रिव्यू याचिका को मंजूर करते हुए स्पष्ट किया कि निचली अदालत का निर्णय कानून के अनुरूप नहीं था। इस फैसले के साथ ही अब पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के खिलाफ मुकदमा फिर से चलेगा।

कोर्ट ने मामले के अन्य आरोपियों कैलाश मुरारका, विनोद वर्मा और विजय भाटिया द्वारा आरोप तय करने के खिलाफ दायर अपीलों को भी खारिज कर दिया है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
81,537.70
-769.66 (0.94%)
निफ्टी:
25,048.65
-241.25

मौसम

अधिकतम	:	16 डिग्री से0
न्यूनतम	:	04 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार	:	7 : 18
सूर्यास्त रविवार	:	5 : 57

बीजापुर के मद्देड़ में 16 प्रेशर आईईडी, माओवादी डंप बरामद

सुरक्षा बलों ने बड़ी कार्रवाई में की विस्फोटक सामग्री जब्त

बीजापुर। बीजापुर के मद्देड़ थाना क्षेत्र में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। बंदेपारा-नीलमड़गु के बीच जंगल इलाके में चलाए गए सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए 16 प्रेशर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। यह कार्रवाई शुक्रवार, 24 जनवरी 2026 को की गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सर्चिंग के दौरान पगडंडी मार्ग और आसपास के जंगली क्षेत्र में बीयर की बोतलों में छिपाकर रखे गए 16 प्रेशर आईईडी पाए गए। बम निरोधक दस्ते की टीम ने इन सभी IEDs को मौके पर ही सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निष्क्रिय कर दिया।

नीलमड़गु-बंदेपारा में संयुक्त टीम ने माओवादी डंप पकड़ा

इसी अभियान के तहत, डीआरजी बीजापुर, मद्देड़ थाना पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 22वीं बटालियन की संयुक्त टीम ने नीलमड़गु से बंदेपारा के बीच विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की। टीम ने जमीन में गड्ढे खोदकर छिपाए गए स्टील कंटेनर और प्लास्टिक बाल्टियों से भारी मात्रा में विस्फोटक और माओवादी सामग्री का एक डंप बरामद किया।

कुत्तों की हत्या

सरपंच ने चुनाव में वादा किया था; एक महीने में 900 कुत्तों को मारा जा चुका

तेलंगाना में जहरीला इंजेक्शन देकर 300 कुत्तों की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के जगतियाल जिले के पेगडापल्ली गांव में 300 आवारा कुत्तों की जहरीला इंजेक्शन देकर हत्या कर दी गई। एक एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट के दावे के मुताबिक गांव के सरपंच ने दिसंबर में हुए चुनाव में जनता से कुत्तों से छुटकारा दिलाने का वादा किया था।

मामले में बीएनएस और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में गांव के सरपंच और ग्राम पंचायत सचिव को दोषी ठहराया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सरपंच ने आवारा कुत्तों को मारने

के लिए कुछ लोगों को काम पर रखा था।

इससे पहले जनवरी में ही तेलंगाना में कुल 600 कुत्तों को अलग अलग गांवों में जहर देकर मारने की घटना सामने आई थीं। इससे मरने वाले कुल कुत्तों की संख्या 900 पहुंच गई है।

पुलिस बोली- दफनाने की जगह से 80 कुत्तों के शव निकाले गए

पुलिस ने बताया कि दफनाने की जगह से लगभग 70 से 80 कुत्तों के शव निकाले गए। ऐसा लग रहा था कि शवों को तीन से चार दिन पहले दफनाया गया था।

उन्होंने कहा कि इस स्तर पर, हम घटना में आरोपियों की संलिप्तता की पुष्टि नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है और आगे की जांच जारी है।

14 जनवरी को पहला केस सामने आया

तेलंगाना के गांवों में ग्राम पंचायत चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों को मारने के मामले सामने आए हैं।

बीते एक हफ्ते में अलग-अलग जिलों के गांवों में करीब 600 कुत्तों की कथित तौर पर हत्या की गई है।

पालवंचा मंडल के 5 गावों- भवानीपेट, पालवंचा, फरीदपेट, वाड़ी और बंदारामेश्वरपल्ली गांवों में बीते दो-तीन दिनों में करीब 200-300 आवारा कुत्तों को मारने का आरोप है। पुलिस ने पांच सरपंचों सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

इससे पहले, हनमकोंडा जिले के श्यामपेट और अरेपल्ली गांवों में 6 जनवरी से 9 जनवरी के बीच लगभग 300 आवारा कुत्तों की हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस ने इस संबंध में दो महिला सरपंचों और उनके पतियों सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

2
संपादकीय

गौतमबुद्धनगर
रविवार 25 जनवरी 2026
Www.vishalindia.in

संपादकीय

भारत का गणतंत्र : पूर्वाग्रहों की जंजीरें कब टूटेंगी?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

26 जनवरी 1950 को भारत ने केवल सत्ता की संरचना नहीं बदली थी—

उस दिन एक सपना संविधान में दर्ज किया गया था।

एक ऐसा भारत, जहाँ न जाति ऊँची हो, न धर्म नीचा, न क्षेत्र श्रेष्ठ, न वंश सत्ता का अधिकार बने।

'हम भारत के लोग' से शुरू होने वाली प्रस्तावना समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व का वादा करती है।

लेकिन 76 वर्षों बाद भी यह वादा ज़्यादातर काग़ज़ों में ज़िंदा है, ज़मीन पर नहीं।

आज का भारतीय गणतंत्र चार मज़बूत जंजीरों में जकड़ा हुआ है—
जातिवाद, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और वंशवाद।

जातिवाद : गणतंत्र की सबसे पुरानी बेड़ी

जातिवाद आज भी भारतीय समाज की सबसे गहरी और स्थायी संरचना बना हुआ है।

बीते वर्षों में जाति आधारित राजनीति और जाति जनगणना की माँग ने इसे और राजनीतिक ईंधन दिया है।

2025 में कई राज्यों में जाति को खुलकर वोट-बैंक की मुद्रा में बदला गया।

सर्वोच्च न्यायालय बार-बार चेतावनी दे चुका है कि जाति, धर्म और क्षेत्र के नाम पर राजनीतिक अपीलें संविधान की आत्मा के विरुद्ध हैं।

फिर भी सच्चाई यह है कि—

- जाति आधारित हिंसा
- विवाह और सामाजिक रिश्तों में भेदभाव
- शिक्षा व रोज़गार में अवसरों की असमानता

आज भी आम जीवन का हिस्सा हैं।
दलित और पिछड़े वर्गों के विरुद्ध अत्याचार घटे नहीं हैं—
केवल उनकी आवाज़ को दबा दिया गया है।

सांप्रदायिकता : नफरत का संगठित उद्योग

धार्मिक पहचान के आधार पर समाज को बाँटना आज राजनीति का सबसे आसान और सबसे खतरनाक हथियार बन चुका है।

नफरत भरे भाषण, भीड़ हिंसा और सोशल मीडिया पर ज़हर उगलते अभियान लोकतंत्र को भीतर से खोखला कर रहे हैं।

चुनावी ध्रुवीकरण—

- अल्पसंख्यकों में असुरक्षा पैदा करता है
- और बहुसंख्यक समाज को झूठे गौरव में उलझा देता है

यह गणतंत्र नहीं, धीरे-धीरे भीड़तंत्र की ओर बढ़ता हुआ रास्ता है।

क्षेत्रवाद : 'मेरा राज्य पहले' की संकीर्ण राजनीति

भाषा, संस्कृति और संसाधनों के नाम पर राज्यों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा किया जा रहा है।

उत्तर-दक्षिण, मुख्य भूमि-पूर्वोत्तर—ये विभाजन आज भी गहरे हैं।
जब 'हम भारतीय' से पहले
'हम फलाँ राज्य के' कहा जाने लगे,
तो राष्ट्रीय एकता सिर्फ़ सरकारी भाषणों तक सिमट जाती है।

वंशवाद : लोकतंत्र का सबसे नग्न विरोधाभास

राजनीति में वंशवाद शायद सबसे स्पष्ट, सबसे खुला और सबसे स्वीकार्य भ्रष्टाचार बन चुका है।

कई दलों में सत्ता
पिता से बेटे,
पति से पत्नी,
भाई से बहन—
इस तरह हस्तांतरित होती है जैसे यह निजी संपत्ति हो।
योग्यता पीछे छूट जाती है,
और आम नागरिक के मन में यह धारणा गहरी होती जाती है कि
लोकतंत्र कुछ परिवारों का विशेषाधिकार है।

असमानता : सभी जंजीरों का साझा परिणाम

विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के अनुसार—

- भारत के शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों के पास देश की 40 प्रतिशत संपत्ति
- शीर्ष 10 प्रतिशत के पास 58 प्रतिशत आय

जबकि निचले 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेहद सीमित है।
जाति, लिंग और क्षेत्रीय भेदभाव इस आर्थिक खाई को और चौड़ा करते हैं।
शिक्षा और स्वास्थ्य तक असमान पहुँच ने
सामाजिक गतिशीलता को लगभग जाम कर दिया है।

उम्मीद अब भी ज़िंदा है

फिर भी, तस्वीर पूरी तरह अंधेरी नहीं है।
संविधान आज भी हमारा सबसे शक्तिशाली औज़ार है।

- शिक्षा का प्रसार
- अंतरजातीय विवाहों में वृद्धि
- युवा पीढ़ी की बढ़ती चेतना
- नागरिक आंदोलनों और सामाजिक संघर्ष

इन सबने कई जंजीरों को कमजोर किया है—भले ही पूरी तरह तोड़ा न हो।

तो सवाल वही है—कब टूटेंगी ये जंजीरें?

जवाब कठिन है, लेकिन रास्ता साफ़ है—

- मज़बूत राजनीतिक इच्छाशक्ति
- सख्त और निष्पक्ष कानून
- शिक्षा में मूलभूत सुधार
- आर्थिक समानता

और सबसे ज़रूरी—
व्यक्तिगत स्तर पर अपने भीतर के पूर्वाग्रहों का त्याग।
जब तक हम स्वयं
जाति, धर्म और क्षेत्र की दीवारें नहीं गिराएँगे,
गणतंत्र केवल तारीख़ों और परेडों का उत्सव बना रहेगा।

गणतंत्र का असली अर्थ

भारत का गणतंत्र उस दिन सच्चा कहलाएगा
जब हर नागरिक को केवल
'भारतीय' होने का गर्व होगा—
किसी जाति, मज़हब या क्षेत्र से ऊपर।

वह दिन दूर नहीं होना चाहिए।
क्योंकि जंजीरें तोड़ने का समय अब है—कल नहीं।

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है

-ललित गर्ग-

जल है तो जीवन है-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है।

दरअसल, जल संकट अब 'वाटर स्ट्रेस' से आगे बढ़कर 'ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी' यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बर्बादी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं।

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है।

जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना हर खेत को पानी के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है-प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है।

जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है-घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव।

कहीं कागजों में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बर्बादी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है।

इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पडेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है।

यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन, अतिदोहन, अनियंत्रित शहरीकरण और खराब प्रबंधन इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को रोका गया, तालाब पाट दिए गए और जंगलों का विनाश किया गया। परिणामस्वरूप वर्षा का पैटर्न बदल गया और जल स्रोत सूखते चले गए। यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही समाधान संभव नहीं, जब तक समाज स्वयं जिम्मेदारी न ले।

दुनिया के अन्य देशों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। इजराइल में ड्रिप इरिगेशन और डिसेलिनेशन तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी का पुनर्चक्रण किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में वाटर ट्रेडिंग के माध्यम से जल संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया गया है।

अमेरिका में अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग और यूरोप में स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम जल संकट से निपटने के प्रभावी उपाय बने हैं। भारत में भी राजस्थान जैसे राज्यों में जोहड़, खादिन और बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल संरचनाएं आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं।

समाधान का रास्ता स्पष्ट है-कठोर नीतियां, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी। जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनानी होगी। तकनीक का उपयोग कर निगरानी और सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना होगा। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा कि वर्षा जल संचयन, जल की बचत, ड्रिप सिंचाई और अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं।

भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है।

इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है।

वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। आज समय बहुत कम है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल का संकट केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का प्रश्न है।

जल है तो जीवन है-इस सत्य को हमें व्यवहार में उतारना होगा। भ्रष्टाचार मुक्त जल प्रबंधन, जिम्मेदार प्रशासन और जागरूक नागरिक ही हमें इस 'जल-संकट' से बचा सकते हैं। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब इतिहास गवाह बनेगा कि मानव ने अपने ही हाथों से जीवन के स्रोत को नष्ट कर दिया। भू-जल प्रबंधन, कुशल सिंचाई प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन उपायों को अपनाकर भविष्य के जल संकट को कम किया जा सकता है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3781

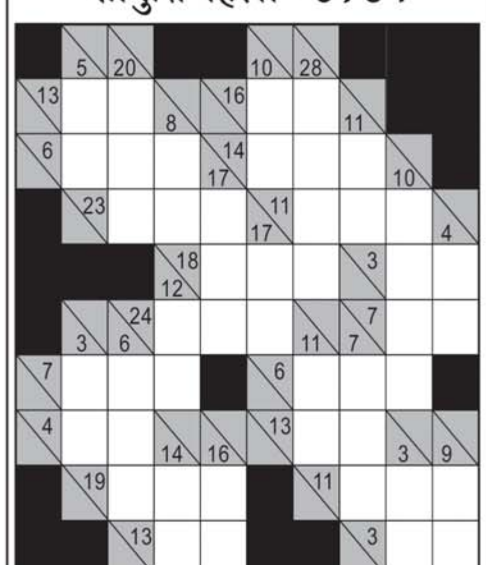

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

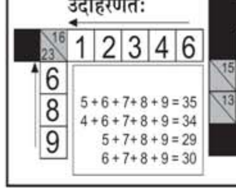

काकुरो - 3780 का हल

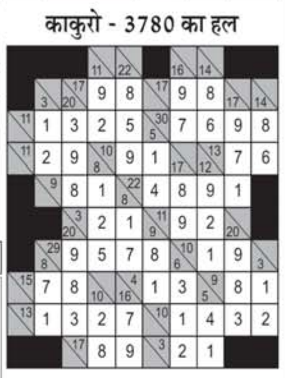

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 3781

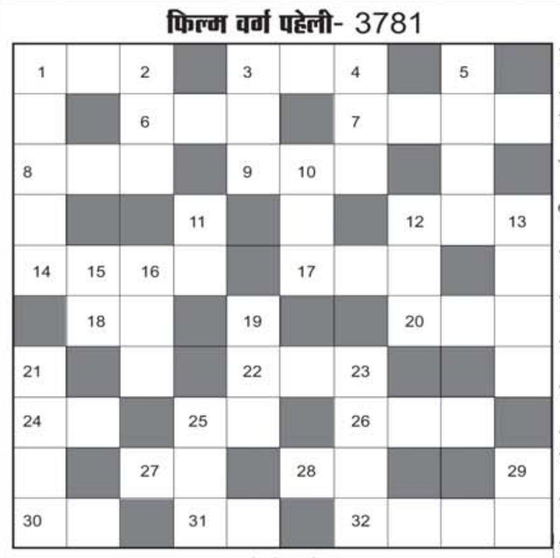

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3780

सूडोकु -3781

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3780 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली - 3781

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली - 3780 का हल

एसआईटी आज देगी सीएम को रिपोर्ट, 100 लोगों के बयान

सभी एजेंसियों को कटघरे में किया खड़ा, सबसे बड़ा सवाल : दो घंटे तक क्यों नहीं निकला युवक?

नोएडा। युवराज मेहता की कार डूबने से हुई मौत अब एक हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, रेस्क्यू सिस्टम की विफलता और अधिकारियों की गैर-जिम्मेदारी का मामला बनकर सामने आ रही है। जांच कर रही विशेष जांच टीम ने एसडीआरएफ, पुलिस, कंट्रोल रूम और रेस्क्यू ऑपरेशन, प्राधिकरण में शामिल 100 से ज्यादा लोगों के फाइनल बयान दर्ज किए।

इन बयानों के बाद एसआईटी का मानना है कि समय रहते सही फैसले नहीं लिए गए, जिसका खामियाजा युवराज को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। हालांकि फाइनल रिपोर्ट आज सीएम को भेजी जाएगी।

दो घंटे तक क्यों नहीं निकला युवक? एसआईटी का सबसे बड़ा सवाल

एसआईटी जांच का सबसे बड़ा सवाल यही है कि घटना की सूचना मिलने के बावजूद करीब दो घंटे तक युवराज मेहता को बाहर क्यों नहीं निकाला गया। जांच में सामने आया है कि मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासन हालात की गंभीरता को समझने में पूरी तरह नाकाम रहे। समय रहते न तो पर्याप्त रेस्क्यू संसाधन जुटाए गए और न ही उच्च अधिकारियों ने मौके की कमान संभाली। अधिकारियों से सीधे तौर पर पूछा है कि सूचना मिलने के बाद तत्काल रेस्क्यू क्यों शुरू नहीं हुआ ?

रेस्क्यू एजेंसियों में तालमेल की कमी उजागर

बयानों में यह भी सामने आया है कि एडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के बीच आपसी समन्वय बेहद कमजोर रहा। एसआईटी के सामने दिए गए बयानों में अलग-अलग एजेंसियों ने जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डालने की कोशिश की है। कोई उपकरणों की कमी का हवाला दे रहा है तो कोई मौसम और दृश्यता को कारण बता रहा है। एसआईटी अब इन बयानों का मिलान कर यह तय कर रही है कि वास्तविक चूक कहां हुई।

कंट्रोल रूम और वॉर रूम की भूमिका पर सवाल

एसआईटी ने कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली को भी कटघरे में खड़ा किया है। जांच में यह सामने आया है कि घटना की सूचना समय पर मिलने के बावजूद वार रूम को देर से एक्टिव किया गया।

यह भी स्पष्ट नहीं है कि रेस्क्यू ऑपरेशन का नेतृत्व किस अधिकारी के पास था और फील्ड में निर्णय लेने की जिम्मेदारी किसने निभाई।

सभी को बारी-बारी से बोर्ड रूम में बुलाकर बयान रिकार्ड किए गए।

सीडीआर और लॉग बुक से खुलेगा सच

एसआईटी ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड, कंट्रोल रूम की लॉग बुक, वायरलेस मैसेज और फील्ड यूनिट्स की मूवमेंट रिपोर्ट को जांच का आधार बनाया है। इन रिकॉर्ड्स से यह पता लगाया जा रहा है कि किस समय किस अधिकारी को सूचना मिली और किस स्तर पर लापरवाही या टालमटोल हुई।

खतरनाक गड्ढे और लापरवाह प्रशासन

जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां पहले से जलभराव और गहरे गड्ढे की स्थिति बनी हुई थी। इसके बावजूद न तो पर्याप्त बैरिकेडिंग की गई और न ही चेतावनी बोर्ड लगाए गए। एसआईटी ने इस लापरवाही के लिए संबंधित विभागों के एक-एक अधिकारी और कर्मचारी को बुलाकर उनके बयान दर्ज किए।

रिपोर्ट में तय होगी जिम्मेदारी, कार्रवाई तय मानी जा रही

एसआईटी की रिपोर्ट में साफ तौर पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसमें अधिकारियों की भूमिका, निर्णय में हुई देरी और सिस्टम फेल्योर को प्रमुखता से दर्ज किया जाएगा। रिपोर्ट में निलंबन, विभागीय कार्रवाई और सख्त अनुशासनात्मक कदमों की सिफारिश की संभावना जताई जा रही है।

एसआईटी की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपे जाने के बाद इस मामले में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। युवराज मेहता की मौत ने न केवल रेस्क्यू सिस्टम बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब यह देखना अहम होगा कि सरकार इस मामले में सिर्फ रिपोर्ट तक सीमित रहती है या दोषी अधिकारियों पर वास्तविक कार्रवाई करती है।

पिता ने डाटा, बीटेक छात्र ने सुसाइड किया

हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदा, वार्डन ने शिकायत की थी

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा में पिता की डांट से आहट बीटेक छात्र ने हॉस्टल की चौथी मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। हॉस्टल मैनेजमेंट स्टाफ उदित सोनी को अस्पताल लेकर पहुंचा। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही उसके साथी छात्र हॉस्टल के बाहर इकट्ठा हो गए। हंगामा कर दिया। करीब आधे घंटे तक बवाल होता रहा।

छात्रों ने सड़क पर खड़ी 5 बसों में तोड़फोड़ कर दी। उसके शीशे तोड़ दिए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। कार्रवाई का आश्वासन देकर छात्रों को शांत कराया। छात्रों का आरोप है कि मैनेजमेंट के टॉर्चर से परेशान होकर उदित ने जान दे दी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। घटना शुक्रवार रात नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र की है।

वार्डन ने पिता से शिकायत की थी

उदित सोनी (28) झांसी के भोगनीपुर का रहने वाला था। पिता ज्वेलर हैं। एक बड़ी बहन है। उदित गलगोटिया यूनिवर्सिटी में बीटेक सेकेंड ईयर का छात्र था। दोस्तों ने बताया- वह रात में करीब 10 बजे दोस्त कुलदीप और चेतन के साथ पार्टी कर हॉस्टल आया था। उसने शराब पी रखी थी। इसलिए वार्डन ने उसे गेट पर ही रोक लिया। वीडियो कॉल पर उसके पिता विजय सोनी से बात कराई। बताया कि उदित शराब पीकर आया है। पहले भी ऐसा कर चुका है।

पिता ने नाम कटवाने की बात कही थी

उदित के दोस्तों ने बताया- वार्डन की बात सुनकर पिता ने डांट लगाई। कहा कि वह यूनिवर्सिटी आ रहे हैं। उसका नाम कटवाकर घर वापस ले आएंगे। बाद पिता ने वार्डन से बात की और आश्वासन दिया कि उदित अब ऐसा नहीं करेगा। तब वार्डन ने उदित को जाने दिया। उदित सीधे कमरे में गया। थोड़ी देर तक कमरे में रहा। रात 11 बजे हॉस्टल की चौथी मंजिल पर पहुंचा और छलांग लगा दी।

मौत की खबर सुन दोस्तों ने हंगामा किया

तेज धमाके की आवाज सुनकर हॉस्टल का स्टाफ मौके पर पहुंचा। देखा कि उदित के सिर से खून बह रहा था। फौरन एम्बुलेंस से प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। वहां पर इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। उदित की मौत की सूचना जैसे ही उसके साथियों को हुई। उन्होंने हंगामा कर दिया। वार्डन के खिलाफ में नारे लगाने लगे।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। छात्रों ने बताया- उदित रात में शराब पीकर हॉस्टल आया था। वार्डन ने उसके पिता से इसकी शिकायत कर दी।

ग्रेटर नोएडा के मंदिर में चोरी, सीसीटीवी में कैद घटना

चोरों ने 7 मिनट में वारदात को अंजाम दिया, जाते हुए हाथ भी जोड़े

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के दादरी क्षेत्र में एक मंदिर से चोरी की घटना सामने आई है। सिद्धपीठ महाकालेश्वर मंदिर परिसर स्थित खाटू श्याम मंदिर से दो चोर महज 7 मिनट के भीतर दो घंटे, एक ज्योत और एक छोटी घंटी चोरी कर ले गए। यह पूरी वारदात 24 जनवरी को दोपहर 1 बजकर 18 मिनट से 1 बजकर 25 मिनट के बीच हुई, जो मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, 24 जनवरी को दोपहर 1: 18 बजे दो युवक मंदिर परिसर में दाखिल हुए। इनमें से एक ने हेलमेट और दस्ताने पहन रखे थे, जबकि दूसरा कंधे पर बैग टांगे हुए था। मंदिर में प्रवेश करते ही दोनों ने पहले छोटी ज्योत और घंटी को बैग में रखा। इसके बाद उनकी नजर मंदिर में लगे बड़े घंटे पर पड़ी।

चोरों ने बैग से प्लास निकालकर बड़े घंटे की चेन काटी और उसे भी अपने बैग में रख लिया। चोरी की पूरी घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी 1: 25 बजे मंदिर से बाहर निकल गए।

हैरानी की बात यह रही कि जाते समय दोनों चोरों ने मंदिर में हाथ जोड़कर प्रणाम भी किया। यह पूरी चोरी की वारदात महज 7 मिनट में हुई और साफ तौर पर सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। मामले में मंदिर समिति की ओर से दादरी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है।

ग्रेटर नोएडा में बारात चढ़त के दौरान खूनी संघर्ष

दो पक्षों में जमकर मारपीट, कई घायल; गांव में पुलिस तैनात

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दादरी कोतवाली क्षेत्र स्थित रामपुर फतेहपुर गांव में शुक्रवार रात बारात चढ़त के दौरान दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जगनपुर गांव के दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। विवाद में दोनों पक्षों के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बारात के दौरान किसी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। दोनों पक्ष दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जगनपुर गांव के ही निवासी हैं, इसलिए किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए शुक्रवार रात से ही गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। शनिवार को भी दिन भर दोनों पक्षों के घरों के बाहर पुलिस मुस्तैद रही और हालात पर नजर रखी गई।

दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि दादरी क्षेत्र में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए एहतियातन दोनों पक्षों के घरों के पास पुलिस की तैनाती की गई है।

डायट में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शनिवार को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार 25 जनवरी को मनाए जाने वाले 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले किया गया। इन कार्यक्रमों का संचालन नोडल अधिकारी राजेश खन्ना ने किया। संस्थान में भाषण प्रतियोगिता, गीत-संगीत, कविता पाठ, पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षुओं और आम नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना था।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश बने

इंजीनियर को बचाने वाले मोनिंदर बोले- मैं सच सबके सामने रखूंगा

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ का प्रभारी चार्ज कृष्णा करुणेश को दिया गया है। कृष्णा करूणेश अथॉरिटी में एसीईओ हैं। डीएम कृष्णा करुणेश 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। वह गोरखपुर के डीएम भी रह चुके हैं। इससे पहले वे गाजियाबाद में एसडीएम, मुख्य विकास अधिकारी व गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के पद पर तैनात रहे।

वहीं युवराज मेहता मौत मामले में आज विशेष जांच टीम को सीएम योगी को अपनी फाइनल रिपोर्ट सौपनी है। एसआईटी ने शुक्रवार को नौ घंटे के अंदर 100 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए थे। जांच के दौरान एसआईटी प्राधिकरण की ओर से दिए गए जवाबों से संतुष्ट नजर नहीं हुई।

इसके चलते एसआईटी ने प्राधिकरण को 5 अतिरिक्त बिंदुओं पर जवाब देने को कहा है। एसआईटी के अध्यक्ष भानु भास्कर अपनी टीम के साथ प्राधिकरण पहुंच गए हैं।

एसआईटी ने केवल प्राधिकरण ही नहीं, बल्कि पुलिस और जिला प्रशासन से भी इसी तरह के तीखे सवाल पूछे हैं। दोनों विभागों को भी दोपहर तक अपने विस्तृत जवाब सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जांच एजेंसी का फोकस घटना के वक्त की कार्रवाई, रिस्पॉन्स टाइम और निर्णय प्रक्रिया पर केंद्रित है।

साइबर ठगी गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

नौकरी का झांसा देकर खातों से रकम निकालते थे

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 थाना पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने शनिवार को इस गिरोह से जुड़े तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये आरोपी बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनके बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर अपराध से ठगी गई रकम निकालने के लिए करते थे। पुलिस अब इनके फरार साथियों की तलाश कर रही है।

सेंट्रल नोएडा जोन के एडीसीपी संतोष कुमार मिश्रा ने इस बताया कि पुलिस को एक रैपिडो चालक से सूचना मिली थी। चालक ने बताया कि कुछ युवक उसके खाते में पैसे मंगवाकर डेबिट कार्ड के जरिए निकलवा लेते हैं। इससे पहले उसके खाते से 95 हजार रुपए निकाले जा चुके थे और अब 60 हजार रुपए और आए थे। इस सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने सेक्टर-63 स्थित डी पार्क से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान वाराणसी के सिसवां गांव निवासी आयुष पांडेय, प्रियांशु श्रीवास्तव और दादरी के चटेड़ा गांव निवासी शिवम के रूप में हुई है। आयुष और प्रियांशु 12वीं कक्षा तक पढ़े हैं, जबकि शिवम ने 10वीं कक्षा पास की है। पुलिस ने इनके कब्जे से पांच लैपटॉप, छह मोबाइल फोन, दो डेबिट कार्ड, 14,500 रुपए नकद और एक कार बरामद की है।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने काम करने का तरीका बताया। वे मोहल्लों में घूमकर बेरोजगार युवाओं से संपर्क करते थे। उन्हें नौकरी और अच्छी कमाई का लालच देकर अपने जाल में फंसाते थे। युवाओं का विश्वास जीतने के बाद, वे उनके मोबाइल फोन और डेबिट कार्ड का उपयोग करके फर्जी यूपीआई आईडी बनाते थे। फिर, साइबर ठगी से प्राप्त रकम इन खातों में मंगवाकर निकाल लेते थे और बदले में युवाओं को केवल 1,000 से 1,500 रुपए देते थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल फोन और लैपटॉप से कई महत्वपूर्ण सबूत मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि महाराष्ट्र की एक महिला से 8.50 लाख रुपए की ठगी की गई थी। यह ठगी गई रकम विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी।

किसान एकता महासंघ गणतंत्र दिवस पर निकालेगा तिरंगा यात्रा

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रीलखा गांव में किसान एकता महासंघ की बैठक शनिवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना के आवास पर हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह ने की, जबकि जिला अध्यक्ष अरविंद सेक्रेटरी ने इसका संचालन किया। संगठन के प्रदेश प्रभारी पप्पू प्रधान भी बैठक में विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं, उनके संभावित समाधानों और संगठन के विस्तार पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रदेश प्रभारी पप्पू प्रधान ने इस दौरान कहा कि किसान एकता महासंघ किसानों के हितों की रक्षा के लिए लगातार सक्रिय है। उन्होंने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने की बात कही। बैठक में सर्वसम्मति से एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके तहत, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसान एकता महासंघ दनकौर कस्बे में एक पैदल तिरंगा यात्रा निकालेगा। यह यात्रा सुबह 11 बजे झाझर अड्डे से शुरू होगी।

ग्रेटर नोएडा में रजवाहे से मिली महिला की हुई पहचान

अलीगढ़ की शिखा निकली, शव पर मिले थे चोट के निशान; हत्या की आशंका

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में मुतैना गांव के पास रजवाहे में मिले अज्ञात महिला के शव की शनिवार को पहचान हो गई। मृतका की पहचान अलीगढ़ निवासी शिखा (28) के रूप में हुई है। शनिवार शाम परिजन दनकौर कोतवाली पहुंचे, जहां फोटो के माध्यम से शव की शिनाख्त की गई।

इसके बाद पुलिस ने पोस्टमॉर्टम हाउस से शव परिजनों को सौंप दिया। समाचार लिखे जाने तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

बताया गया कि शिखा का शव गुरुवार को मुतैना गांव के पास रजवाहे में मिला था। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पर चोट के निशान पाए थे, जिसके चलते हत्या की आशंका जताई गई।

पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था और पहचान के लिए आसपास के जिलों की पुलिस से संपर्क किया जा रहा था।

शनिवार सुबह परिवार ने दनकौर पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद शाम को परिजन कोतवाली पहुंचे। मृतका के भाई रंजीत ने बताया कि शिखा विवाहित थी, लेकिन वह अपने पति के साथ नहीं रहती थी।

उसका छह वर्षीय बेटा गाजियाबाद के एक स्कूल में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है। परिजनों के अनुसार, शिखा कुछ दिनों से घर से बाहर थी और उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था।

दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि महिला की पहचान हो चुकी है। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में अभी मृत्यु का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

ऐसे में बिसरा सुरक्षित रखकर जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

शार्ट न्यूज

नोएडा के सेक्टर-25 ए में चलती कार बनी आग का गोला, बाल-बाल बचे सवार

नोएडा। वकार सैफी। सेक्टर-25 ए में उस समय हड़कंप मच गया जब एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। घटना सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के पास यू-टर्न पर हुई। गनीमत यह रही कि कार सवार समय रहते बाहर निकल गए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। नोएडा के व्यस्त सेक्टर-25 ए इलाके में शुक्रवार को एक कार में अचानक धुआं उठने लगा। इससे पहले कि सवार कुछ समझ पाते, कार आग की लपटों से घिर गई। कार में सवार राहुल शर्मा और ज्ञानचंद मेरठ के हस्तिनापुर गांव के रहने वाले हैं, जो कार में धुआं निकलते ही सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत बाहर उतर गए। जिससे उनकी जान बच गई। कार मे आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार, मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। जलती कार के कारण बाधित हुए ट्रैफिक को हटाकर यातायात को फिर से सुचारू रूप से संचालित कर दिया गया।

परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास टला

नोएडा। इंजीनियर की मौत के मामले में कठघरे में आए नोएडा प्राधिकरण ने स्काईवॉक, क्लॉक टावर सहित एक दर्जन परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का कार्यक्रम टाल दिया। यूपी दिवस के मौके पर इन्हें शुरू किया जाना था। अब अगले महीने ही ये परियोजनाएं शुरू होंगी। सेक्टर-33ए शिल्प हाट में शनिवार से यूपी दिवस की शुरुआत हो गई। यह कार्यक्रम तीन दिन तक चलेगा। नोएडा प्राधिकरण ने एक महीने पहले यूपी दिवस के मौके पर लगभग तैयार हो चुकी परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास की योजना तैयार की थी। इनमें मुख्य रूप से सेक्टर-51-52 को जोड़ने वाले स्काईवॉक, सेक्टर-38ए जीआईपी मॉल के सामने बन रहे क्लॉक टावर, सेक्टर-164, 165 में सड़क, जल-सीवर की लाइनों का शिलान्यास सहित अन्य परियोजनाएं थीं।इसके लिए नोएडा प्राधिकरण ने पूरी तैयारी कर ली थी। इस बीच एक सप्ताह पहले सेक्टर-150 में गहरे गड्ढे में इंजीनियर की डूबने से हुई मौत का मामला सामने आ गया है। इस मामले में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी जांच के घेरे में आ गए । नोएडा के सीईओ डॉ लोकेश एम को इस प्रकरण में हटाकर प्रतीक्षा में डाल दिया गया।

होली के बाद जिले को 35 नई साधारण बसें मिलेंगी

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो को होली के बाद और नई साधारण बसें मिल सकती हैं। दोनों डिपो को बीते साल 45 नई बसें मिली थी। इसके बाद 35 और बसें मिलनी थी। डिपो में बसों की संख्या बढ़ने से यात्रियों की सुविधा में और इजाफा होगा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो से 80 पुरानी बसें हटाई गई थी। इसके बाद मई-जून 2025 में दोनों डिपो में 260 बसें थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश परिवहन निगम मुख्यालय से दोनों डिपो को 45 नई बसें मिली थी। ऐसे में डिपो में बसों की संख्या बढ़कर 305 हो गई थी।पुरानी बसें हटने की संख्या के आधार पर दोनों डिपो को 35 और बसें मिलनी हैं। अधिकारियों का कहना है कि मार्च में होली के बाद डिपो को नई बसें मिली सकती हैं। बसों को उन्हीं रूट पर उतारा जाएगा, जहां से पुरानी बसें हटाई गई थी। इसके अलावा कुछ रूटों पर जरूरत के मुताबिक बसों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। कई शहरों के लिए डिपो से बसें चलती हैं नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो से कई शहरों के लिए बसें चलती हैं। इसमें आगरा, मथुरा, एटा, कासगंज, बंदायू, हाथरस, लखनऊ, मेरठ, सहारनपुर, बरेली समेत अन्य डिपो की बसें शामिल हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती गायब, केस दर्ज

नोएडा। फेज-दो थाना क्षेत्र के भंगेल गांव में रहने वाली एक युवती पिछले कई माह से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता है। वह एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करती है। युवती की मां न एक युवक पर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। जिला कुशीनगर निवासी युवती की मां ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी एक प्राइवेट कंपनी में काम करती है। 20 वर्षीय बेटी वह लापता हो गई। कंपनी में पता करने पता चला कि वह भंगेल गांव में किराए पर रहती थी। इस दौरान भंगेल चौकी पर पुलिस से बेटी को खोजने की गुहार लगाई।गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। पीड़िता का कहना है कि उन्होंने एक शिकायत कुशीनगर के कसया थाने में थी। इसी बीच उन्हें पता चला कि दीपांशु गंगवार नामक युवक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पीड़िता ने आरोपी का मोबाइल नंबर भी खोज निकाला। उससे फोन पर बात की और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की चेतावनी भी दी, लेकिन आरोपी ने उनकी बेटी नहीं लौटाई।

मोबाइल और सामान झपटने वाले दो गिरफ्तार

नोएडा। राहगीरों और बाजारों में खरीदारी करने गए ग्राहकों का मोबाइल समेत अन्य सामान झपटकर फरार होने वाले दो बदमाशों को सेक्टर-24 थाने की पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से लूट का मोबाइल, चाकू और नकदी बरामद हुई है। बदमाशों के खिलाफ सेक्टर-24 थाने में तीन केस दर्ज हैं। एसीपी स्वतंत्र सिंह ने बताया कि बीते दिनों थानाक्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला का मोबाइल लूट लिया था। बाजारों में लोगों के कीमती सामान चोरी होने के कई अन्य मामले भी सामने आए थे। ऐसे में वारदात करने वाले बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम बनाई गई।टीम ने शनिवार को मुखबिर से मिली सूचना पर दो शातिर बदमाशों को थानाक्षेत्र से दबोच लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे शातिर किस्म के चोर और लुटेरे हैं, जो मौका पाकर लोगों का मोबाइल और सामान झपट कर ले जाते हैं। आरोपियों की पहचान बिहार के सिवान निवासी अंकित कुमार चौरसिया और बक्सर निवासी हर्ष सिंह के रूप में हुई है।

बारातियों से मारपीट में दो गिरफ्तार

दादरी। ग्रेटर नोएडा के रामपुर फतेहपुर गांव में बारात चढ़त के दौरान बारातियों के बीच मारपीट के मामले में पुलिस ने 50 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी दनकौर के जगनपुर गांव के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को रामपुर फतेहपुर गांव में ब्रहमपाल की बेटी की बारात दनकौर के जगनपुर गांव से आई थी। बारात में गांव से दो सौ से अधिक बाराती थे। बारात की चढ़त के दौरान कई राइफल, पिस्टल से लैस एक पक्ष से लीला , बलवीर और तेजपाल, सतबीर ,मदन, कृष्ण, जितेंद्र, वीरे समेत कई लोगों ने दूसरे पक्ष पर रंजिश के तहत हमला कर दिया ।हवाई फायरिंग के करते हुए दूसरे पक्ष के लोगों से लाठी डंडो से मारपीट की गई। इसमें वीरेंद्र, राजेंद्र , देशराज, श्री निवास, जगदीश समेत कई लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दादरी कोतवाली पुलिस ने इस मामले में 50 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने दो आरोपी जितेंद्र और योगेश निवासी जगनपुर को गिरफ़्तार किया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है।

दनकौर में आवारा सांड का आतंक

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे में आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार शाम एक आवारा सांड ने बाइक सवार व्यक्ति को अचानक टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। कस्बे की सड़कों और प्रमुख चौराहों पर खुलेआम घूम रहे आवारा पशुओं के कारण पहले भी कई लोग घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद नगर पंचायत की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि दनकौर के दीनदयाल चौराहा, बीएल चौक, घनौरी रोड, द्रोणाचार्य मंदिर परिसर और झाझर रोड सहित कई प्रमुख स्थानों पर आवारा पशु दिनभर सड़कों पर डटे रहते हैं। ये पशु अचानक राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों पर हमला कर देते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि पैदल चलना भी लोगों के लिए खतरे से खाली नहीं रह गया है।

संभल में थाने की बैरक में मिली सिपाही की लाश

कान में ईयरबड, गले में रस्सी, घुटने मुड़े थे; भाई बोला- ये आत्महत्या नहीं

संभल। संभल में थाने की बैरक में 24 साल के सिपाही की लाश मिली है। सिपाही के कान में ईयरबड लगे थे। गले में रस्सी थी, जो खिड़की से बंधी थी। घुटने मुड़े हुए थे। लाश जमीन पर बैठे हुई अवस्था में थी। पास में मोबाइल और चार्जर पड़ा था।

मामला गुन्नौर कोतवाली का है। सिपाही का नाम आशीष वर्मा है। वह शाहजहांपुर का रहने वाला था। 2023 में यूपी पुलिस में भर्ती हुई थी। आशीष, संभल हिंसा के दौरान घायल भी हुए थे।

आशीष के रिश्तेदार क्रांति कुमार ने कहा- मेरा भाई आत्महत्या नहीं कर सकता। वहीं, पुलिस का कहना है कि सिपाही ने आत्महत्या की है। क्यों की ? ये क्लीयर नहीं है। इसकी जांच की जा रही है।

शुक्रवार रात करीब 9 बजे साथियों ने बैरक में सिपाही आशीष की लाश देखी। लाश जमीन पर बैठी अवस्था में थी।

बैरक में सिपाही की लाश देखकर थाने में अफरातफरी मच गई। तुरंत सीनियर अफसर को सूचना दी गई। बैरक को सील कर दिया गया।

फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाने के लिए बैरक की तलाशी ली। दो बैग्स को कब्जे में ले लिया है।

बैरक में अकेला था सिपाही

घटना की सूचना मिलते ही सीओ आलोक सिद्धू मौके पर पहुंचे। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। इंस्पेक्टर राजीव कुमार मलिक ने बताया कि सिपाही आशीष वर्मा ने रस्सी का फंदा बनाकर आत्महत्या की है।

उसका मोबाइल और अन्य सामान पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। आत्महत्या के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और मोबाइल कॉल डिटेल्स के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिना मान्यता संचालित स्कूल को नोटिस, एक लाख जुर्माना

प्रयागराज। दिव्य ज्योति विद्या मंदिर/एलएन पब्लिक स्कूल घरवारा, मांडा को बिना मान्यता के संचालित किये जाने के आरोप में आज सहनी नोटिस दी गई है। प्रबंधक चंद्रमा प्रसाद उर्फ अशोक कुमार पुत्र केशव प्रसाद को एक लाख रुपये जुर्माना जमा करने के लिए भी निर्देशित किया गया है। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि आईजीआरएस के जरिए शिकायत की गई थी। शिकायतकर्ता सुरेंद्र कुमार पुत्र शिव शंकर ने बताया था कि प्रयागराज मिर्जापुर हाईवे पर बिना मान्यता के दिव्य ज्योति विद्या मंदिर का संचालन हो रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी, मांडा ने इस अमान्य विद्यालय का संचालन बंद करने का निर्देश दिया था। उसके बाद इस विद्यालय का नाम बदल कर एलएन पब्लिक स्कूल करते हुए फिर से संचालित शुरू किया गया। इसकी दोबारा भी शिकायत की गई। खंड शिक्षा अधिकारी मांडा ने फिर इसे बंद करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बताया था कि विद्यालय बंद हो चुका है। अब फिर पता चला है कि विद्यालय का फिर से संचालन हो रहा है। शासन का स्पष्ट निर्देश है कि बिना मान्यता के चलने वाले विद्यालय बंद किए जाएं। उनपर जुर्माना भी लगाया जाए।

राज्य मंत्री ने किया मदनपुर थाने का वर्चुअल लोकार्पण

ललितपुर। राज्य मंत्री ने नवनिर्मित मदनपुर थाने का वर्चुअल लोकार्पण किया गया। ललितपुर के नवनिर्मित थाना मदनपुर का उद्घाटन मा0 राज्य मंत्री, अल्प संख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, उत्तर प्रदेश सरकार दानिश आजाद अंसारी जी द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। यह उद्घाटन कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर, ललितपुर से सम्पन्न हुआ। उद्घाटन अवसर पर मा0 मंत्री दानिश आजाद अंसारी जी ने थाना मदनपुर के प्रशासनिक भवन का वर्चुअल लोकार्पण करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आमजन को बेहतर, त्वरित एवं पारदर्शी पुलिस सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिसके क्रम में नवनिर्मित थाना मदनपुर, क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मा0 प्रभारी मंत्री जी ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह थाना पुलिस कर्मियों के कार्य सरकार के वातावरण को बेहतर बनाएगा, जिससे जनता को समयबद्ध एवं प्रभावी न्याय मिल सकेगा। सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करे और पुलिस-जनसहयोग को और अधिक मजबूत किया जाए इस अवसर पर जनपद के सदर विधायक रामरतन कुशवाहा, जिलापंचायत अध्यक्ष कैलाश नारायण निरंजन, जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र रावत, जिलाधिकारी सत्य प्रकाश, पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक , जनप्रतिनिधिगण, व अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

शार्ट न्यूज

खमीर फैक्ट्री में पहली बार गन्ना राज्य मंत्री फहरायेंगें 30 मी0 ऊचा झंडा

पीलीभीत। भरापचपेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एशिया की सबसे बड़ी खमीर फैक्ट्री (ईस्ट प्लांट) में पहली बार गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी को गन्ना राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार 30 मी0 ऊंचा ध्वज फहरायेंगे। खमीर प्लांट के अधिकारी ने बताया कि फैक्ट्री में पहली बार इस क्षेत्र में राज्य मंत्री श्री गंगवार द्वारा झंडा फहराया जायेगा उन्होने बताया कि ये कार्यक्रम 26 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे होगा। ज्ञात रहे कि गन्ना राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार के अथक प्रयासों के बाद अमरिया तहसील क्षेत्र के भरापचपेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा लगभग 1200 करोड़ की लागत से खमीर प्लांट लग रहा है जिसका निर्माण कार्य अन्तिम चरणों में चल रहा है और शीध्र ही फैक्ट्री का उद्धघाटन होने की संभावना है।

एसपी ने परेड रिहर्सल का निरीक्षण किया

ललितपुर । एसपी ने आगामी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने शुक्रवार को पुलिस लाइन ललितपुर स्थित परेड ग्राउंड में गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल का टोलीवार निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन्स ललितपुर में आगामी 26 जनवरी गणतन्त्र दिवस को आयोजित होने वाली परेड का ग्रांड रिहर्सल का निरीक्षण किया गया तथा गणतन्त्र दिवस की तैयारियों की समीक्षा की गयी। महोदय द्वारा पुलिस लाइन्स के वरिष्ठ अधिकारियों से 26 जनवरी के परेड की तैयारियों पर चर्चा करते हुए अन्य सभी आवश्यक तैयारियों को पूर्ण कराये जाने हेतु क्षेत्राधिकारी, लाइन्स व प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन्स, ललितपुर को गणतंत्र दिवस पर परेड को सुव्यवस्थित व सुसज्जित बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

बालिका दिवस पर रैली और गोष्ठी का आयोजन

पीलीभीत। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिसमें राम लुभाई साहनी राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्राओं के साथ नगरीय आशा बहुओं ने भाग लिया। रैली के दौरान छात्राओं ने बालिका सशक्तीकरण से जुड़े स्लोगन लगाते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रैली के समापन के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभागार में छात्राओं के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में छात्राओं ने राष्ट्रीय बालिका दिवस, लिंगभेद एवं भ्रूण हत्या जैसे विषयों पर गीतों और विचारों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए। गोष्ठी में चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों द्वारा छात्राओं को स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर के लक्षण, पहचान एवं उपचार पर विस्तार से जानकारी दी गई। टेलीमानस योजना एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में संभावित करियर विकल्पों पर भी प्रकाश डाला गया।

झांसी में ट्रक ने युवक को रौंदा, मौत

झांसी। झांसी से सटे मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ में एक ट्रक ने बाइक के पास खड़े युवक को टक्कर मार दी। उसे झांसी मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रक लेकर मौके से भाग गया। लोगों ने 10 किलोमीटर तक पीछा कर ट्रक और ड्राइवर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हादसा टीकमगढ़ के चंदेरा थाना क्षेत्र के जेवर के पास हुआ है। मृतक का नाम परम कुशवाहा (45) पुत्र खरगे था। वह टीकमगढ़ के चंदेरा थाना क्षेत्र के जेवर गांव का रहने वाला था। परिजनों ने बताया कि परम कुशवाहा खेती किसानी करते थे। शुक्रवार शाम को गांव में भंडारा था। भंडारे में शामिल होकर परम कुशवाहा घर आने के लिए बाइक के पास पहुंचे थे। तभी तेज गति में आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसे में परम कुशवाहा घायल हो गया। परिजन उसे झांसी मेडिकल कॉलेज लेकर आए। जहां पर शनिवार को उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर भाग गया था। तब लोगों ने पीछा किया।

आगरा में रेलवे ट्रैक पर मिला महिला का शव

बाह। आगरा के बाह थाना क्षेत्र के होलीपुरा नहर पुलिया के पास शनिवार को रेल पटरी के किनारे एक महिला का शव मिला है। पुलिस ने शव की शिनाख्त केदारपुरा चौसिंगी निवासी मिथलेश (48), पत्नी जय किशन के रूप में की है। परिजनों ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते महिला द्वारा आत्मघाती कदम उठाने की आशंका जताई जा रही है। मिथलेश की शादी करीब 25 वर्ष पहले हुई थी। उनके परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि 17 वर्षीय बेटा सूरज दिल्ली में नौकरी करता है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कोतवाली प्रभारी सत्यदेव शर्मा ने बताया कि ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल मामले की गहन जांच कर रही है।

जालौन के उरई बजरिया में अतिक्रमण हटा

जालौन। जालौन के उरई नगर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ शनिवार शाम 4 बजे सघन अभियान चलाया गया। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में यह कार्रवाई हुई। नगर पालिका परिषद, लोक निर्माण विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बजरिया क्षेत्र में सड़क किनारे से अतिक्रमण हटवाए, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु हुई। अभियान के तहत सड़क और पटरियों पर बने अस्थायी निर्माण, ठेले, गुमटी, दुकानों के बाहर रखे सामान और अन्य अवरोधों को हटाया गया। लंबे समय से इन अतिक्रमणों के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी हो रही थी। कई स्थानों पर जाम लगता था और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। अतिक्रमण हटने के बाद सड़कों पर यातायात सामान्य हो गया है। नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा ने मौके पर अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गैस पाइपलाइन चेंबर में मजदूर की मौत

रामपुर। रामपुर के थाना शहजादनगर के समीप एक गैस पाइपलाइन चेंबर में काम करते समय एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मजदूर को अचानक चक्कर आया, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान संदीप गुप्ता (25) पुत्र श्री अरविंद गुप्ता के रूप में हुई है। वह बिहार के भभुआ जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र के बहादुरपुर पोस्ट का निवासी था। संदीप रामपुर में अपने साथियों के साथ गैस पाइपलाइन में मजदूरी का काम कर रहा था। कंपनी के सुपरवाइजर संदीप कुमार ने बताया कि काम के दौरान संदीप को पहले भी चक्कर आ चुके थे। इस बार उसकी हालत गंभीर हो गई। उसे पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर ईएमओ ने उसे मृत घोषित कर दिया। सुपरवाइजर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिस गैस चेंबर में काम चल रहा था, उसमें अभी तक गैस छोड़ी नहीं गई थी। ऐसे में मजदूर की मौत के कारणों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। सूचना मिलने पर थाना शहजादनगर पुलिस मौके पर पहुंची।

सीतापुर में बाइक की टंकी ब्लास्ट, युवक जिंदा जला

सीतापुर। सीतापुर में बाइक सवार दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक की टंकी फट गई। फिर पूरी बाइक आग का गोला बन गई। एक युवक जिंदा जल गया। दूसरा युवक बुरी तरह झुलस गया। राहगीरों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक एक युवक की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया। गौरव तिवारी (21) और सियाराम (23) मिल में मजदूरी करते थे। नाइट शिफ्ट की ड्यूटी के लिए बाइक से जा रहे थे। हादसा जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर रामकोट थाना क्षेत्र में हुआ। गौरव तिवारी और सियाराम मिश्रिख कोतवाली क्षेत्र की नई बस्ती के रहने वाले थे। दोनों की शुक्रवार को नाइट ड्यूटी थी। शुक्रवार शाम एक ही बाइक से दोनों मिल के लिए निकले। रात 9 बजे के करीब रामकोट थाना क्षेत्र के रायपुर गांव के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस व राष्ट्रीय बालिका दिवस पर भव्य आयोजन

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर संयुक्त रूप से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख ने की। आयोजन स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए मंत्री ने योजनाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पाँच बालिकाओं का कन्या जन्मोत्सव मनाया गया तथा उन्हें हिमालया किट वितरित की गई। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने सराहा।

अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ने कहा कि समाज को प्रत्येक बालिका को अपनी बेटी मानकर उसकी हर समस्या में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 10 बालिकाओं एवं शिक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली 26 बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्कूल बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली 30 बालिकाओं को एजुकेशन किट वितरित की गई। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत दो बच्चों को लैपटॉप वितरित किए गए। भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति वर्ष 2026 में भी उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस का संयुक्त आयोजन किया गया है तथा जनपद की उपलब्धियों को साझा किया।

जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा, खेल और रोजगार के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। महिला कल्याण विभाग द्वारा जागरूकता कार्यक्रम एवं कन्या जन्मोत्सव जैसे आयोजन लगातार किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कृषि विभाग, मनरेगा, एनआरएलएम एवं डूडा परियोजना कार्यालय के पाँच-पाँच लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी सहित सभी जनपद स्तरीय अधिकारी एवं महिला कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन क्लीन के तहत 1070 मुकदमों से सम्बंधित शराब को नष्ट किया

ललितपुर। तालबेहट पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में थानों पर लम्बित माल मुकदमाती के निस्तारण हेतु अभियान (आपरेशन क्लीन) चलाया जा रहा है, जिसमें मा0 न्यायालय से विधिक अनुमति प्राप्त कर थानों पर पंजीकृत अभियोगों के माल मुकदमाती का जनपद स्तर पर गठित समिति की उपस्थिति में नियमानुसार निस्तारण की कार्यवाही कराने हेतु निर्देश दिये गये थे। जिसके क्रम में माल निस्तारण अभियान आपरेशन क्लीन के तहत गठित टीम के सदस्य मदन मोहन गुप्ता उपजिलाधिकारी (न्यायिक) तालबेहट क्षेत्राधिकारी तालबेहट रक्षपाल सिंह व आबकारी निरीक्षक मो0 राशिद क्षेत्र तालबेहट द्वारा थाना तालबेहट पर आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत अभियोगों में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ललितपुर के आदेश के अनुपालन में गठित टीम आदेश जिलाधिकारी ललितपुर के अनुपालन के क्रम में थाना स्थानीय पर मालखाने में रखे आबकारी अधिनियम से संबन्धित माल मुकदमाती जो तैयार सूची क्रम संख्या 01 से 1070 तक अंकित है, जो वर्ष 2017 से 2024 तक के कुल 1070 माल मुकदमाती से बरामद कुल 22,540 लीटर अवैध शराब को नियमानुसार विधिक प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए निस्तारण की कार्यवाही अमल में लायी गयी।

गोल्डन टेंपल के सरोवर में कुल्ला करने वाला गिरफ्तार

गाजियाबाद। अमृतसर में गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले मुस्लिम युवक की शनिवार को गाजियाबाद में निहंगों ने पिटाई कर दी। वह निहंग विक्की थॉमस के साथ वीडियो में नजर आया। इस दौरान उसके साथ बैठे ही किसी निहंग ने उसे थप्पड़ जड़ा। इसके बाद कुल्ला करने वाला और उसका वीडियो बनाने वाला यानी दोनों युवक माफी भी मांगते हुए नजर आए। जिसके बाद युवक को गाजियाबाद पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। इस मामले में उसके खिलाफ गाजियाबाद के अंकुर विहार थाने में शिकायत हुई थी। गाजियाबाद पुलिस अब उसे अमृतसर पुलिस के हवाले करेगी। वहीं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की तरफ से भी अमृतसर पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई गई है।

वाराणसी में सेक्स रैकेट पकड़ा गया

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस ने एक घर में छापेमारी कर सेक्स रैकेट को पकड़ा है। 4 लड़कियों और एक ग्राहक को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम जब रिहायशी इलाके के घर में पहुंची, तो लड़कियां और ग्राहक उन्हें देखकर भागने लगे। टीम ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ा। इसके संचालक और उसकी पत्नी फरार हो गए।

इस दौरान लड़कियां अपना चेहरा छिपाती रहीं। उन्हें बाहर निकालने के लिए महिला पुलिस को बुलाया गया। जिसके बाद महिला पुलिसकर्मी उन्हें थाने लेकर गईं। सेक्स रैकेट सेंट्रल जेल रोड स्थित एक कॉलोनी में किराए के मकान में चल रहा था। इसे पति-पत्नी चलाते थे। सिद्धार्थ राजपुरिया और उसकी पत्नी पायल राजपुरिया ने सेंट्रल जेल रोड की कॉलोनी में किराए पर एक मकान लिया था। इस मकान में सेक्स रैकेट संचालित किया जा रहा था। इसमें लड़कियों को प्रशिक्षण देने के बहाने बुलाया जाता था। संचालक सिद्धार्थ और उसकी पत्नी फरार हैं। संचालक की साली प्रयागराज की रहने वाली रेहा श्रीवास्तव पकड़ी गई है।

सहारनपुर में फिजियोथेरेपी छात्रा का शव पेड़ से लटका मिला

2 दिन से लापता थी, प्राइवेट क्लिनिक में प्रैक्टिस करती थी

सहारनपुर। सहारनपुर में एक मेडिकल छात्रा का शव जंगल में पेड़ से लटका मिला। छात्रा एक कॉलेज से फिजियोथेरेपी का कोर्स कर रही थी। साथ ही एक प्राइवेट क्लिनिक में प्रैक्टिस भी करती थी। छात्रा पिछले 2 दिनों से लापता थी। घरवालों ने कोतवाली में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

उधर, शनिवार दोपहर खेत में काम कर रहे लोगों ने जंगल में छात्रा का शव पेड़ से लटका देखा। इसके बाद उन लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस के साथ फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड टीम भी पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से उतरवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। फिलहाल पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से जांच कर रही है। घटना देवबंद के चेतनपुरी जंगल की है।

प्राइवेट क्लिनिक में प्रैक्टिस करती थी छात्रा

बीबीपुर गांव में सोमपाल रहते हैं। रवीना (21) उनकी बेटी थी। परिजनों ने बताया- रवीना मुजफ्फरनगर के एक प्राइवेट कॉलेज से फिजियोथेरेपी का कोर्स कर रही थी। इसके साथ वह सहारनपुर के रेलवे रोड स्थित एक प्राइवेट क्लिनिक में प्रैक्टिस भी करती थी। रवीना रोज घर से करीब 8 किलोमीटर की दूर प्रैक्टिस करने के लिए क्लिनिक जाती थी और शाम को लौट आती थी।

22 जनवरी को भी रवीना घर से क्लिनिक के लिए निकली, लेकिन देर शाम तक वह नहीं लौटी। इसके बाद हम लोगों ने क्लिनिक में संपर्क किया। वहां बताया गया कि वह घर के लिए निकल चुकी है। इसके बाद रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस ने किया जागरूक

ललितपुर । माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार की महत्वकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के अन्तर्गत नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के प्रति जनपद ललितपुर में महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज- 5.0अभियान के अन्तर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की। विशेष रूप से यह स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराधी डर और लालच का सहारा लेते हैं, ऐसे में किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या ओटीपी साझा न करने की सलाह दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा आपात सहायता हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उनके त्वरित उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। 112 आपातकालीन सेवा 1090 / 1091 महिला सुरक्षा हेल्पलाइन 181महिला हेल्पलाइन 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन मिशन शक्ति की टीमों द्वारा उपस्थित जनसमूह को यह भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या साइबर ठगी की सूचना तुरंत देने पर पुलिस पूरी गंभीरता से कार्रवाई करेगी। नारी की सुरक्षा केवल जिम्मेदारी नहीं, ललितपुर पुलिस का संकल्प है।

लखनऊ में गंदगी फैलाने पर लगा जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ में हाउस टैक्स जमा नहीं करने पर जोन-2 स्थित इसाबुल मस्जिद की दुकानें सील कर दी गई। नगर निगम की टीम ने हाउस टैक्स के बकाएदारों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की। साथ ही शहर में अतिक्रमण करने और गंदगी फैलाने पर भी एक्शन लिया। इस दौरान करीब 19 हजार का जुर्माना वसूला गया। जोन-2 के राजा बाजार वार्ड में बड़े बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई। मिर्जा हसन के घर पर 22,742 रुपए का हाउस टैक्स बकाया था। जिसके खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की गई। तुलसीदास मार्ग पर इसाबुल मस्जिद की दुकानों पर 3,46,351 का बकाया पाए जाने पर भवन को सील कर दिया गया। वहीं, यहियागंज रोड पर जनाब बीबी और शाहिद हुसैन पर ?6,43,426.47 का बकाया था, जहां सीलिंग की कार्रवाई के दौरान 23 हजार रुपए का आंशिक भुगतान मिला।

एसडीएम हटाने की मांग पर अड़े अधिवक्ता

अमेठी जिला। अमेठी के मुसाफिरखाना तहसील में एसडीएम और अधिवक्ताओं के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। तहसील परिसर में हुई महापंचायत के बाद भी जब एसडीएम पर कार्रवाई नहीं हुई, तो अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिले के प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो विधानसभा का घेराव किया जाएगा और रेल रोको आंदोलन भी चलाया जाएगा। यह विवाद पिछले करीब एक महीने से मुसाफिरखाना तहसील में अधिवक्ताओं और एसडीएम अभिनव कनौजिया के बीच चल रहा है। कई बार विरोध प्रदर्शन के बाद अधिवक्ताओं ने दो दिन पहले तहसील में एक महापंचायत बुलाई थी, जिसमें अमेठी के अलावा आसपास के जिलों के सैकड़ों अधिवक्ता शामिल हुए थे। इसके बावजूद अभी तक एसडीएम को उनके पद से नहीं हटाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रवांडा में एआई तकनीक से क्लिनिक सुधार की शुरुआत

किगाली , एजेंसी। रवांडा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आधारित तकनीक का परीक्षण शुरू करने का फैसला किया है। यह योजना गेट्स फाउंडेशन और ओपनएआई की साझेदारी से चलाई जा रही है, जिसके तहत देश के 50 से ज्यादा स्वास्थ्य क्लिनिकों में इस नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका मकसद डॉक्टरों और नर्सों के काम को आसान बनाना और मरीजों को जल्दी व सही इलाज दिलाना है। रवांडा में एक स्वास्थ्य कर्मी पर करीब 1,000 मरीजों का बोझ है, जबकि दुनिया में आदर्श अनुपात 4 स्वास्थ्य कर्मी प्रति 1,000 मरीज माना जाता है। ऐसे में एआई तकनीक से मरीजों की जानकारी संभालने, रिपोर्ट तैयार करने और इलाज से जुड़े फैसलों में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार का कहना है कि यह तकनीक डॉक्टरों की जगह नहीं लेगी, बल्कि उनके काम को और मजबूत बनाएगी। गेट्स फाउंडेशन और ओपनएआई ने इस परियोजना के लिए दो साल में 50 मिलियन डॉलर देने की घोषणा की है। बिल गेट्स ने कहा कि गरीब देशों में, जहां स्वास्थ्य संसाधन कम हैं, वहां एआई एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे इलाज तक लोगों की पहुंच बढ़ेगी और स्वास्थ्य असमानता कम होगी। हालांकि कुछ विशेषज्ञों को चिंता है कि यह तकनीक अंग्रेजी भाषा पर आधारित है, जबकि रवांडा में अधिकतर लोग किन्यारवांडा भाषा बोलते हैं। डिजिटल विशेषज्ञ ऑडासे नियोंकुरु ने कहा कि अगर एआई स्थानीय भाषा में काम नहीं करेगा तो इलाज में दिक्कतें आ सकती हैं। सरकार और तकनीकी कंपनियां अब इसे किन्यारवांडा भाषा में विकसित करने पर काम कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला, विदेशी सहायता पर सख्ती और बढ़ेगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने विदेशी सहायता से जुड़े नियमों को और सख्त करने का फैसला किया है। अब अमेरिका उन संस्थाओं को भी मदद नहीं देगा जो गर्भपात सेवाओं के साथ–साथ जेंडर आइडेंटिटी या डीईआई (डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन) कार्यक्रमों को बढ़ावा देती हैं। पहले यह रोक केवल गर्भपात से जुड़ी सेवाओं तक सीमित थी। इस नीति को मेक्सिको सिटी पॉलिसी कहा जाता है, जिसे सबसे पहले राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने लागू किया था। ट्रंप प्रशासन ने इसके दायरे को और बढ़ा दिया है। नए नियमों से करीब 30 अरब डॉलर की विदेशी सहायता प्रभावित हो सकती है, जो अंतरराष्ट्रीय संगठनों और एजेंसियों को दी जाती है। मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे दुनिया के गरीब देशों में महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को मिलने वाली जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। ह्यूमन राइट्स कैंपेन की अध्यक्ष ने कहा कि यह फैसला राजनीति को इंसानी जीवन से ऊपर रखता है। हालांकि ट्रंप प्रशासन का कहना है कि अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे का इस्तेमाल उन नीतियों पर नहीं होना चाहिए जो उनकी विचारधारा के खिलाफ हैं।

दक्षिण अफ्रीका में स्कूल बस हादसा, मौत का आंकड़ा 14 पहुंचा

गाउतेंग , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के गाउतेंग प्रांत में हुए दर्दनाक स्कूल बस हादसे में मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। गुरुवार को दो किशोर छात्राओं की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह हादसा सोमवार सुबह उस समय हुआ था जब एक निजी मिनीबस 16 छात्रों को स्कूल छोड़ने जा रही थी और उसकी एक ट्रक से टक्कर हो गई थी। हादसे में मौके पर ही 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इसके अलावा बस चालक और ट्रक में बैठे एक यात्री सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। कुछ घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन अब भी दो बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मृतक छात्राएं काफी गंभीर हालत में थीं और उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस मामले में बस चालक अयांडा दलदला पर पहले लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया था।

अमेरिका में भीषण बर्फीले तूफान की चेतावनी, करोड़ों लोग अलर्ट पर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कई राज्यों में एक बेहद खतरनाक बर्फीला तूफान आने की चेतावनी दी गई है। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक करीब 10 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की मौसम चेतावनी के दायरे में हैं। यह तूफान न्यू मैक्सिको से लेकर कैरोलाइना तक और फिर पूर्वी तट के बड़े शहरों तक असर डाल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में आधा इंच तक बर्फ जम सकती है, जिससे पेड़ गिरने, बिजली के खंभे टूटने और लंबे समय तक बिजली गुल रहने का खतरा है। वॉशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क और बोस्टन जैसे शहरों में एक फुट तक बर्फ गिरने की आशंका जताई गई है। तूफान के कारण हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हो सकती हैं और सड़कों पर यात्रा बेहद खतरनाक हो जाएगी।

अमेरिका में 5 साल के बच्चे को हिरासत में लिया

स्कूल से लौटते समय गाड़ी से उतारा, फिर पिता गिरफ्तार; डिटेंशन सेंटर भेजा

मिनेसोटा, एजेंसी। मिनेसोटा के कोलंबिया हाइट्स में मंगलवार को इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट एजेंट्स ने एक 5 साल के बच्चे लियाम कोनेजो रामोस को पिता के साथ हिरासत में लिया गया। दोनों को टेक्सास के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। लियाम की स्कूल सुपरिंटेंडेंट जेना स्टेनविक ने बताया, 'एजेंट्स ने चलती गाड़ी से बच्चे को उतारा। फिर उन्होंने उसे घर का दरवाजा खटखटाने को कहा, ताकि पता चले कि अंदर कोई है या नहीं।' जेना ने इसे 5 साल के बच्चे का इस्तेमाल करना बताया। गिरफ्तारी के डर से पिता ने मां को दरवाजा खोलने से मना किया। हालांकि कुछ देर बाद माता-पिता ने अपने बच्चे को घर के अंदर लाने की मंशा से दरवाजा खोला, तभी बाहर मौजूद एजेंट्स ने पिता को गिरफ्तार किया। वहीं बच्चे को घर में मौजूद दूसरे लोगों को सौंपने से इनकार कर उसे भी अपने साथ ले गए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मिनियापोलिस लीडर्स से मुलाकात के दौरान घटना पर बात की। उन्होंने कहा कि 'बच्चा सिर्फ डिटेन हुआ है, गिरफ्तार नहीं।' वेंस ने कहा कि एजेंट्स बच्चे को ठंड में छोड़ नहीं सकते थे और गैरकानूनी व्यक्ति को गिरफ्तार करना जरूरी है।

6 हफ्तों में मिनेसोटा में 3,000 गिरफ्तारियां हुईं, इनमें 400 बच्चे : लियाम अपने स्कूल जिले का चौथा छात्र है जिसे ढ्ष्टश्च ने हिरासत में लिया है। स्कूल अधिकारियों और परिवार के वकील के मुताबिक परिवार 2024 में अमेरिका आया था। उनपर साइलम केस चल रहा है, लेकिन उन्हें देश छोड़ने का कोई आदेश नहीं था। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन के अधिकारी के मुताबिक पिछले 6 हफ्तों में यहां करीब 3,000 गिरफ्तारियां हुई हैं। चिल्ड्रेंस राइट्स की लीशिया वेल्च ने डिटेंशन सेंटर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वहां बच्चे बढ़ गए हैं। कई बच्चे 100 दिनों से ज्यादा समय से डिटेन हैं। दिसंबर में सरकार ने माना कि करीब 400 बच्चों की हिरासत हुई। इनमें ज्यादातर बच्चे बीमार हैं, कुपोषित और गंभीर तकलीफ में हैं। स्कूल सुपरिटेंडेंट बोली- बच्चे को क्यों हिरासत में लिया, वह अपराधी नहीं होमलैंड सिक्योरिटी की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉफलिन ने गुरुवार को ऑनलाइन बयान में कहा कि पिता ने खुद बच्चे को अपने साथ रखने की इच्छा जताई थी। उनके अनुसार, पिता और बच्चा दोनों इस समय टेक्सास के डिली स्थित इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर में साथ हैं। स्कूल अधिकारियों ने बताया कि परिवार 2024 में अमेरिका आया था और उनका असाइलम केस अभी एक्टिव है। उन्हें देश छोड़ने का कोई आदेश नहीं दिया गया था। कोलंबिया हाइट्स पब्लिक स्कूल की सुपरिटेंडेंट जेना स्टेनविक ने सवाल उठाया कि 5 साल के बच्चे को क्यों हिरासत में लिया गया? आप यह नहीं कह सकते कि यह बच्चा किसी तरह का हिंसक अपराधी है। प्रवक्ता बोली- बच्चे को टारगेट नहीं किया, सुरक्षा के लिए साथ लाए मैकलॉफलिन ने कहा कि इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने बच्चे को टारगेट नहीं किया था, बल्कि उसके पिता एड्रियन अलेक्जेंडर कोनेजो एरियास को गिरफ्तार किया जा रहा था। बच्चे की सुरक्षा के लिए एक एजेंट उसके साथ रुका रहा। आईसीई के मुताबिक, माता-पिता को यह विकल्प दिया जाता है कि वे अपने बच्चों के साथ डिपोर्ट हों या बच्चों को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति के हवाले करें। गिरफ्तारी से स्कूलों में डर का माहौल कोलंबिया हाइट्स पब्लिक स्कूल में प्री-के से 12वीं तक करीब 3,400 छात्र पढ़ते हैं। अधिकतर छात्र इमिग्रेंट परिवारों से हैं। स्कूल सुपरिटेंडेंट स्टेनविक के मुताबिक, हाल के दिनों में एक 17 साल का छात्र, एक 10 साल का बच्चा और एक अन्य 17 साल का छात्र भी हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले दो हफ्तों में स्कूलों में उपस्थिति काफी गिर गई है। एक दिन करीब एक-तिहाई छात्र स्कूल नहीं आए। उनका आरोप है कि ढ्ष्टश्च एजेंट स्कूलों के आसपास गश्त कर रहे हैं, बसों का पीछा कर रहे हैं और बच्चों को उठा रहे हैं, जिससे छात्रों और परिवारों में गहरा डर और ट्रॉमा है। महिलाओं-बच्चों के लिए खास बनाया गया डिटेंशन सेंटर, लाइब्रेरी-जिम मौजूद साउथ टेक्सास फैमिली रेजिडेंशियल सेंटर अमेरिका का सबसे बड़ा इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटर है। यह टेक्सास राज्य के डिली शहर में स्थित है। यह मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों को हिरासत में रखने के लिए बनाया गया है, खासकर मध्य अमेरिका से आए प्रवासियों को, जो अक्सर शरण की मांग करते हैं। इनपर इमिग्रेशन केस जैसे डिपोर्टेशन या शरण की सुनवाई चल रही होती है। यह रेजिडेंशियल स्टाइल में बनाया गया है। इसमें कॉटेज-जैसे घर, खेल का मैदान, लाइब्रेरी, जिम, कैफेटेरिया, मेडिकल सुविधाएं और स्कूल जैसी सुविधाएं हैं। इसमें 1500 से 2000 हजार लोगों को रखा जाता है।

ट्रंप का कनाडा को झटकाः 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने का न्यौता वापस लिया

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को अपने नए बनाए गए बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का दिया गया निमंत्रण वापस ले लिया है। यह कदम उत्तर अमेरिका के दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रही ताजा तनातनी के बीच उठाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के ज़रिए यह जानकारी दी। उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को संबोधित करते हुए लिखा कि पीस बोर्ड ने कनाडा को भेजा गया अपना निमंत्रण वापस लेने का फ़ैसला किया है। हालांकि, पोस्ट में ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने कनाडा को दिया गया यह निमंत्रण क्यों रद्द किया। वापस लेने के पीछे की वजह को लेकर उन्होंने कोई कारण नहीं बताया। बता दें कि बुधवार को, ट्रंप ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में कहा था कि 'कनाडा अमेरिका की वजह से ज़िंदा है।' कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया है कि कनाडा अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। कार्नी ने कहा, 'कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक शानदार साझेदारी बनाई है। अर्थव्यवस्था में, सुरक्षा में और समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान में, लेकिन कनाडा अमेरिका की वजह से जिंदा नहीं है। कनाडा इसलिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि हम कनाडाई हैं। विश्व में शांति स्थापित करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस की शुरुआत की है। इसमें शामिल होने के लिए ट्रंप ने दुनिया के लगभग 60 देशों को न्योता भेजा। इजरायली मीडिया के अनुसार, 60 में से दुनिया के 25 देशों ने ट्रंप के न्यौते को स्वीकार कर लिया है। बोर्ड ऑफ पीस में अब तक इजरायल, बहरीन, मोरक्को, अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अजरबैजान, बुल्गारिया, हंगरी, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कजाकिस्तान, कोसोवो, पाकिस्तान, पराग्वे, कतर, सऊदी अरब, तुर्किए, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, बेलारूस, मिस्र, वियतनाम और मंगोलिया शामिल हुए। आठ इस्लामिक देशों ने बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का न्योता स्वीकार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी गाजा में इजरायल-हमास सीजफायर समझौते के दूसरे फेज के तहत घोषित बोर्ड में शामिल होने के लिए बुलाया था। हालांकि, भारत की तरफ से फिलहाल इसपर कोई फैसला सामने नहीं आया है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि फिलहाल इसपर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा, फ्रांस, ब्रिटेन, चीन, जर्मनी, स्वीडन, नार्वे और कई दूसरे बड़े देशों ने इस साइनिंग सेरेमनी में हिस्सा नहीं लिया। इसके साथ ही जर्मनी, इटली, पैराग्वे, रूस, स्लोवेनिया, तुर्किए और यूक्रेन जैसे कई देशों ने इस न्योते पर कोई वादा नहीं किया है। बोर्ड में शामिल सदस्य देशों का कार्यकाल तीन साल तक सीमित होगा, और स्थायी सदस्यता हासिल करने के लिए कथित तौर पर 1 बिलियन डॉलर का भुगतान करना होगा।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भंग की संसद, 8 फरवरी को होंगे मध्यावधि चुनाव

टोक्यो, एजेंसी। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया, जिससे देश में 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। तकाइची ने यह फैसला केवल तीन महीने के कार्यकाल के बाद लिया है। अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी गई तकाइची को अब तक लगभग 70 प्रतिशत की ऊंची लोकप्रियता मिली है। माना जा रहा है कि वह इसी लोकप्रियता का लाभ उठाकर सत्तारूढ़ दल की स्थिति मजबूत करना चाहती हैं, जिसे हाल के वर्षों में भारी नुकसान झेलना पड़ा है। हालांकि, संसद भंग होने से उस बजट पर मतदान टल गया है, जिसका उद्देश्य कमजोर अर्थव्यवस्था को सहारा देना और बढ़ती महंगाई से निपटना था। 465 सदस्यीय निचले सदन के भंग होने के साथ ही 12 दिनों का चुनाव प्रचार अभियान शुरू होगा, जिसकी औपचारिक शुरुआत मंगलवार से होगी। प्रधानमंत्री तकाइची ने कहा कि वह चाहती हैं कि जनता तय करे कि उन्हें प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस चुनाव को अपने राजनीतिक भविष्य से जोड़ रही हैं। सख्त रुख वाली रूढ़िवादी नेता तकाइची अपने पूर्ववर्ती शिगेरु इशिबा से अलग नीतियों को सामने रखना चाहती हैं। उनके एजेंडे में ज्यादा सरकारी खर्च, सैन्य ताकत में इजाफा और कड़ी आव्रजन नीति शामिल है, ताकि जापान को 'मजबूत और समृद्ध' बनाया जा सके।

युवाओं में लोकप्रिय तकाइची की छवि : हालांकि तकाइची की छवि युवा मतदाताओं में लोकप्रिय है, लेकिन सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) अभी भी राजनीतिक फंडिंग घोटाले के असर से उबर रही है। इसके चलते कई पारंपरिक मतदाता उभरती दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टियों की ओर रुख कर चुके हैं। प्रधानमंत्री का लक्ष्य इस चुनाव के जरिए निचले सदन में मजबूत बहुमत हासिल करना है, ताकि उनकी सरकार बिना विपक्ष पर निर्भर हुए अपने एजेंडे को आगे बढ़ा सके।

गूगल और मेटा से विवादित विज्ञापन हटाने की मांग, अमेरिकी सांसदों ने उठाए सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो वरिष्ठ डेमोक्रेट लॉमेकर्स ने टेक दिग्गज कंपनी मेटा और गूगल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सांसदों का कहना है कि अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) और उसकी एजेंसी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) इन प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे विज्ञापन चला रही है, जिनमें श्वेत राष्ट्रवादी विचारधारा और भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। हाउस ज्यूडिशियरी कमेटी की उपाध्यक्ष बेका बैलिंट और इमिग्रेशन प्रवर्तन की निगरानी करने वाली उपसमिति की प्रमुख, भारतीय मूल की सांसद प्रमिला जयपाल ने मेटा और गूगल के सीईओ को अलग-अलग पत्र भेजे हैं। इन पत्रों में उन्होंने मांग की है कि डीएचएस के साथ डिजिटल विज्ञापन से जुड़ी सभी साझेदारियां तुरंत खत्म की जाएं और यह बताया जाए कि कंपनियों के बीच समझौते का दायरा और अवधि क्या है। सांसदों का कहना है कि आईसीई इन विज्ञापनों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर भर्ती अभियान के लिए कर रही है। इसके तहत मिनियापोलिस, शिकागो, पोर्टलैंड और न्यू ऑरलियन्स जैसे शहरों में हजारों नए अधिकारियों को तैनात करने की योजना है। आरोप है कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भर्ती मानकों में भी ढील दी गई है। पत्रों में दावा किया गया है कि आईसीई ने ऐसे विज्ञापन चलाए हैं, जिनमें 'श्वेत राष्ट्रवादी प्रेरित प्रचार' की झलक मिलती है। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ये विज्ञापन उन लोगों को दिखाए जा रहे हैं जो स्पेनिश भाषा, मैक्सिकन खाने या लैटिन संगीत में रुचि रखते हैं, ताकि उन पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जा सके। सांसदों के अनुसार, पिछले 90 दिनों में डीएचएस ने 'सेल्फ-डिपोर्टेशन,' यानी खुद देश छोड़ने को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों पर 10 लाख डॉलर से ज्यादा खर्च किए हैं। इसके अलावा, गूगल और यूट्यूब पर स्पेनिश भाषा में ऐसे विज्ञापनों पर करीब 30 लाख डॉलर खर्च किए गए। बताया गया कि पिछले साल आईसीई ने मेटा और गूगल पर कुल मिलाकर लगभग 58 लाख डॉलर के विज्ञापन चलाए। सांसदों ने एक इंस्टाग्राम विज्ञापन का उदाहरण भी दिया, जिसमें लिखा था, 'हमारा घर फिर से हमारा होगा।' सांसदों का कहना है कि यह नारा अक्सर कट्टरपंथी और नव-नाजी समूहों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है। सांसदों ने यह भी आरोप लगाया कि आईसीई ने भर्ती के नियमों में ढील दी है, जैसे उम्र सीमा हटाना, 50,000 डॉलर तक का साइनिंग बोनस देना और नए भर्ती अधिकारियों को बिना पर्याप्त प्रशिक्षण के मैदान में उतारना शामिल हैं। सांसदों ने मेटा और गूगल से यह भी पूछा कि उनके प्लेटफॉर्म पर ऐसे विज्ञापन कैसे चलने दिए गए, जबकि दोनों कंपनियों की नीतियां नफरत और भेदभावपूर्ण सामग्री के खिलाफ हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के दामाद संग रात भर चली पुतिन की मीटिंग, जेलेंस्की बोले- हम तो रूस की दया पर हैं

मॉस्को, एजेंसी। वैश्विक राजनीति में इन दिनों हलचल तेज है। एक तरफ दावोस में डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान किया तो वहीं रूस की राजधानी मॉस्को में पूरी रात वार्ता चलती रही। लंबे समय बाद अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर रातभर रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन में रहे। यहां पर यूक्रेन के साथ 4 सालों से चली आ रही जंग खत्म करने को लेकर मीटिंग हुई। इस दौरान व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद थे और उन्होंने साफ कर दिया कि यह समझौता तभी संभव है, जब उसके कब्जे वाले इलाकों को मान्यता दी जाए और वहां से यूक्रेन अपना किनारा कर ले। हालांकि यूक्रेन के लिए ऐसा स्वीकार करना आसान नहीं होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ऐसा कई बार कह चुके हैं कि हम अपने इलाके नहीं छोड़ेंगे। यह मीटिंग ऐसे समय में हुई है, जब गुरुवार को ही वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के हमले के जवाब में यूरोप या अमेरिका से हमें मदद नहीं मिल रही है। उनका कहना था कि हालात ऐसे हैं कि हमें व्लादिमीर पुतिन की दया पर छोड़ दिया गया है। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि हमने मीटिंग में साफ कर दिया है कि जो इलाके रूस के नियंत्रण में हैं, उन्हें मान्यता दी जाए। वहीं यूक्रेन को इससे सख्त आपत्ति है। जेलेंस्की का कहना है कि पूर्वी यूक्रेन के इलाकों पर रूस का अवैध कब्जा है और हम इसे स्वीकार नहीं करते। पुतिन बोर्ड ऑफ पीस के लिए भी तैयार, मदद भी देंगे जेलेंस्की ने गुरुवार को दावोस में डोनाल्ड ट्रंप से मीटिंग के दौरान भी कहा था कि पूर्वी यूक्रेन के बड़े हिस्से पर रूस ने कब्जा जमा रखा है। इसका मसला अभी हल नहीं हुआ है और शांति प्रस्ताव लगभग तैयार है। इस बीच शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में एक मीटिंग होनी है। इसमें रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इस मीटिंग में गाजा को लेकर बने बोर्ड ऑफ पीस पर भी बात हुई। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि हम इसके लिए तैयार हैं और एक अरब डॉलर की रकम भी देंगे। उन्होंने कहा कि यह रकम उन संपत्तियों से ले ली जाए, जो रूस की हैं और उन्हें अमेरिका ने सीज कर रखा है।

अमेरिकी धरती पर रामायण की गूंज : मैरीलैंड के प्रतिनिधियों ने देखी विशेष प्रदर्शनी

एनापोलिस, एजेंसी। एशिया और उससे आगे रामायण के प्रसार पर आधारित एक दिवसीय प्रदर्शनी अमेरिका के मैरीलैंड स्टेट असेंबली बिल्डिंग में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में स्टेट लॉ मेकर, राजनयिक और समाज के कई प्रमुख लोग शामिल हुए। यह आयोजन एनापोलिस परिसर में हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंचे। कार्यक्रम में मैरीलैंड के कई प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। प्रतिनिधि वू चाओ ने कहा कि यह प्रदर्शनी दिखाती है कि संस्कृति कैसे अलग-अलग देशों और पृष्ठभूमियों के लोगों को जोड़ती है। उनके अनुसार ऐसी सांस्कृतिक पहल लोगों के बीच समझ बढ़ाती है और राजनीति में दिखने वाले मतभेदों को कम करने का काम करती है। चाओ ने कहा, 'यह एक ऐसी संस्कृति है जो लोगों को जोड़ती है और विविधता प्रदान करती है और वास्तव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के बीच समझ को बढ़ाती है।' प्रतिनिधि हैरी भंडारी ने रामायण की नैतिक शिक्षाओं पर बात करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है। उन्होंने बताया कि रामायण हमें चरित्र, त्याग, पारिवारिक मूल्यों, विनम्रता और अहंकार से बचने की सीख देती है। आज के समय में, जब समाज कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है, ये शिक्षाएं और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

प्रतिनिधि माइक रोजर सेना में रह चुके हैं और एशिया के कई देशों की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी ने उनके अनुभवों की याद दिला दी। उनके अनुसार, 'हमारे बीच मतभेदों की तुलना में अधिक समानताएं हैं। साझा परंपराओं को समझने से आपसी सम्मान बढ़ता है और दुनिया बेहतर बनती है। नेपाल दूतावास की अरुणा घिसिंग ने कहा कि इस प्रदर्शनी ने उन्हें बचपन की यादें ताजा करा दीं, जब वे रामायण के धारावाहिक देखा करती थीं। उन्होंने बताया कि यह जानकर उन्हें आश्चर्य हुआ कि रामायण का संबंध गुयाना जैसे दूर देशों से भी है। उन्होंने इस आयोजन को सुंदर सांस्कृतिक उत्सव बताया और भविष्य में सहयोग की इच्छा भी जताई। आयोजकों ने कहा कि प्रदर्शनी जानबूझकर राज्य विधायिका के अंदर रखी गई थी, ताकि नीति-निर्माता और कर्मचारी रामायण की व्यापक एशियाई सभ्यतागत पृष्ठभूमि को समझ सकें। हिंदूएक्शन से जुड़े उत्सव चक्रवर्ती ने बताया कि मैरीलैंड में बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं, साथ ही थाई, वियतनामी, कंबोडियाई और फिलिपीन समुदाय भी यहां बड़ी संख्या में हैं। उन्होंने कहा कि कई विधायकों को उन देशों में हिंदू इतिहास के बारे में सीमित जानकारी है जहां अब हिंदू बहुमत में नहीं हैं, जैसे कि मलेशिया, इंडोनेशिया या फिलीपींस।इस प्रदर्शनी को मैरीलैंड लाने में डॉक्टर विद्या सत्यामूर्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बताया कि इससे पहले यह प्रदर्शनी अमेरिकी कैपिटल और ओहियो स्टेट कैपिटल में लग चुकी थी।

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ से तोड़ा नाता, कोविड विफलताओं का लगाया आरोप

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने औपचारिक रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अपनी सदस्यता खत्म कर दी है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले दिन किए गए वादे को पूरा करने के तहत लिया गया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर ने एक संयुक्त बयान में बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित एक कार्यकारी आदेश के जरिए यह वापसी लागू की गई। इस फैसले का उद्देश्य अमेरिका को डब्ल्यूएचओ की 'पाबंदियों' से मुक्त करना और कोविड-19 महामारी के दौरान हुई विफलताओं से हुए नुकसान की भरपाई करना है। बयान में कहा गया, 'आज अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से खुद को अलग कर लिया है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले दिन वादा किया था। यह कदम कोविड-19 के दौरान डब्ल्यूएचओ की नाकामियों के जवाब में उठाया गया है, जिनका खामियाजा अमेरिकी जनता को भुगतना पड़ा।'

प्रशासन ने डब्ल्यूएचओ पर अपने मूल उद्देश्य से भटकने और अमेरिकी हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य और सबसे बड़ा वित्तीय योगदानकर्ता रहा है, इसके बावजूद संगठन ने अमेरिका के हितों की अनदेखी की। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि डब्ल्यूएचओ ने राजनीतिक और नौकरशाही एजेंडे को अपनाया, जो उन देशों से प्रभावित था जो अमेरिका के विरोधी हैं। साथ ही, महामारी के दौरान समय पर और सटीक जानकारी साझा करने में संगठन असफल रहा। बयान में यह भी कहा गया कि इन विफलताओं की वजह से अमेरिकी लोगों की जान जा सकती थी और बाद में इन गलतियों को 'जन स्वास्थ्य के हित' के नाम पर छिपाया गया। प्रशासन ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका के बाहर निकलने के फैसले के बाद डब्ल्यूएचओ का व्यवहार अपमानजनक रहा। कहा गया कि संगठन ने अपने मुख्यालय में लगा अमेरिकी झंडा सौंपने से इनकार कर दिया और यह दावा किया कि उसने अमेरिका की वापसी को मंजूरी नहीं दी है। संयुक्त बयान में कहा गया, 'हमारे संस्थापक सदस्य और सबसे बड़े समर्थक होने के बावजूद, अंतिम दिन तक अमेरिका का अपमान जारी रहा।' अमेरिकी सरकार ने साफ किया कि अब डब्ल्यूएचओ के साथ उसका संपर्क केवल वापसी की प्रक्रिया पूरी करने और अमेरिकी नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा तक सीमित रहेगा। डब्ल्यूएचओ से जुड़ी सभी अमेरिकी फंडिंग और स्टाफिंग तुरंत समाप्त कर दी गई है।

प्रशासन ने कहा कि अमेरिका अब वैश्विक स्वास्थ्य प्रयासों का नेतृत्व सीधे देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी और भरोसेमंद स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए करेगा। बयान में डब्ल्यूएचओ को भारी-भरकम और अक्षम नौकरशाही बताया गया। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला उन अमेरिकियों को सम्मान देने के लिए लिया गया है जिन्होंने महामारी में अपनों को खोया, खासकर नर्सिंग होम में मरे बुजुर्गों और उन कारोबारियों को, जिन्हें कोविड प्रतिबंधों से भारी नुकसान हुआ। बता दें कि अमेरिका 1948 में डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य बना था और लंबे समय तक इसका सबसे बड़ा डोनर रहा है।

तीसरे टी20 में अजेय बढ़त पर टीम इंडिया की नजर

–संजू सैमसन की परीक्षा और ईशान किशन की चुनौती

गुवाहाटी (एजेंसी)। पहले दोनों मुकाबले आसानी से जीतकर आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जहां भारत की नजर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, वहीं सबसे ज्यादा चर्चा संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर है, क्योंकि पिछले मैच में ईशान किशन की विस्फोटक वापसी ने टीम संयोजन को लेकर बहस तेज कर दी है। किशन की शानदार पारी के बाद यह सवाल फिर से खड़ा हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए टीम प्रबंधन किस पर भरोसा जताएगा।

टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और मैच खेलने हैं। ऐसे में भारतीय टीम का ढांचा काफी हद तक तय नजर आता है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में टीम ने अब तक संतुलित प्रदर्शन किया है, लेकिन कुछ स्थानों को लेकर असमंजस बना हुआ है, जिनमें संजू सैमसन का स्थान सबसे अहम माना जा रहा है। पिछले मैच में ईशान किशन ने मात्र 32 गेंदों पर 76 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर अपनी दावेदारी मजबूत की और सैमसन पर दबाव और बढ़ा दिया।

शुभमन गिल को टी20 प्रारूप में अपेक्षित प्रभाव न छोड़ पाने के कारण बाहर कर अभिषेक शर्मा के साथ सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में मौका दिया गया था, लेकिन केरल के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों का पूरा फायदा नहीं उठाया है। पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी के बावजूद उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी साफ दिखी है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में वह तेज गेंदबाजों के सामने बार-बार आउट हुए थे और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पहले दो मैचों में केवल 10 और छह रन ही बना सके। भारत के पूर्व बल्लेबाज डब्ल्यूवी रमन ने भी उनके आउट होने के तरीके पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक सैमसन गेंद की गति के अनुसार अपने शॉट चयन और बल्ले की रफ्तार में बदलाव नहीं करेंगे, तब तक उनसे निरंतर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना मुश्किल होगा।

भारत के लिए राहत की बात यह है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पुरानी लय में लौटते दिखे हैं। उन्होंने पिछले मैच में 37 गेंदों पर 82 रन की पारी खेलकर लंबे समय बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्धशतक जड़ा। अभिषेक शर्मा हालांकि पिछली मैच की पहली गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन वह इस मुकाबले में बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। पिछले मैच में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम दो विकेट पर छह रन तक सिमट गई थी, लेकिन इसके बाद किशन की आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और भारत ने 28 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शुरुआती ओवरों में रन जरूर लुटाए, लेकिन कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने बीच के ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी कर टीम को मजबूती दी। टीम प्रबंधन की नजर अक्षर पटेल की उंगली की चोट पर भी रहेगी और उम्मीद है कि उन्हें विश्व कप से पहले पर्याप्त मैच अभ्यास मिल सके। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पिछले मैच में आराम दिया गया था और इस मुकाबले में उनकी वापसी की संभावना है, क्योंकि कम अंतराल में मैच होने के चलते तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है।

न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मुकाबला सम्मान बचाने जैसा होगा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी वाली टीम इस करारी हार के बाद रणनीति में बदलाव कर सकती है और डैरिल मिचेल को ऊपर के क्रम में भेजने पर विचार कर सकती है। हालांकि उसकी आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस सीरीज में निराशाजनक रही है और कई आसान कैच छूटे हैं। यदि न्यूजीलैंड को वापसी करनी है तो उसे इस विभाग में तुरंत सुधार करना होगा।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

साइना नेहवाल के संन्यास पर विराट कोहली सहित दिग्गजों ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज साइना नेहवाल ने अपने लंबे और सफल करियर के बाद खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इस खबर के बाद भारतीय खेल जगत में प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने उन्हें बधाई देते हुए कहा, सायना नेहवाल, आपके शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय बैडमिंटन को दुनिया भर में पहचान दिलाई। आपको एक खुशहाल, संतोषजनक और अच्छे संन्यास की शुभकामनाएं। भारत को आप पर गर्व है। वहीं, दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकी बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने लिखा, सायना, आपको संन्यास की शुभकामनाएं। इंडियन बैडमिंटन में आपने जो कुछ भी दिया है, उसके लिए धन्यवाद। जिंदगी के इस अगले पड़ाव के लिए आपको शांति, खुशी और ढेर सारी शुभकामनाएं। पूर्व दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह ने भी सोशल मीडिया पर साइना को उनके करियर और संन्यास पर बधाई दी और लिखा, बहुत बढ़िया खेला, साइना। शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय बैडमिंटन को आगे बढ़ाया और एक पीढ़ी को प्रेरित किया। आगे जो भी हो, उसके लिए आपको शुभकामनाएं।

साइना ने अपने संन्यास की वजह इंजरी को बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक घुटनों की समस्या और आर्थराइटिस की वजह से उन्हें अब उच्च स्तर की ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धा जारी रखना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, आप दुनिया में बेस्ट बनने के लिए आठ से नौ घंटे ट्रेनिंग करते हैं। अब, मेरे घुटने एक या दो घंटे में ही जवाब दे जाते थे। सूजन आ गई थी, और उसके बाद जोर लगाना बहुत मुश्किल हो गया था। इसलिए मुझे लगा कि बस बहुत हो गया।

सायना नेहवाल भारतीय बैडमिंटन की पहली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। इसके अलावा, उन्होंने 2008 में जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने और 2009 में इंडोनेशिया ओपन जीतने का रिकॉर्ड बनाया। 2015 में साइना दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी बनीं और बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनीं। साइना ने भारतीय बैडमिंटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से स्थापित किया और उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, खेल रत्न और अर्जुन अवॉर्ड जैसी कई प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जा चुका है। उनके योगदान और उपलब्धियों के कारण उन्हें खेल जगत में हमेशा याद किया जाएगा।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला टेस्ट टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए महिला टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम इंडिया अगले महीने ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, जहां भारतीय महिला क्रिकेट टीम वनडे, टी20 और टेस्ट तीनों सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई ने इससे पहले वनडे और टी20 टीम का ऐलान कर दिया था, लेकिन अब इस दौरे पर होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम की घोषणा भी कर दी गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला टेस्ट मैच पर्थ में 6 से 9 मार्च 2026 तक खेला जाएगा। इस मैच में हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान के तौर पर टीम का नेतृत्व संभालेंगी। टेस्ट टीम में रिचा घोष, उमा छेत्री, प्रतिका रावल और अन्य कई स्टार खिलाड़ी शामिल हैं, जो इस मुकाबले में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस दौरे पर वनडे और टी20 टीम में भी एक बदलाव हुआ है। विकेटकीपर जी. कमलिनी किसी कारणवश भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं। उनके स्थान पर सेलेक्टर्स ने उमा छेत्री को वनडे और टी20 इंटरनेशनल टीमों में शामिल किया है। बीसीसीआई का यह फैसला टीम की मजबूती और विभिन्न परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने की दिशा में लिया गया है। हरमनप्रीत और स्मृति जैसे अनुभवी खिलाड़ी टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि रिचा घोष और प्रतिका रावल जैसी युवा प्रतिभाएं टीम में ताजगी और ऊर्जा भरेंगी।

ऑस्ट्रेलिया में भारत के लिए यह दौरा चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि पर्थ का विकेट तेज और उछाल वाला होता है, जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए तकनीकी दक्षता की मांग करता है। भारतीय महिला टीम की उम्मीद है कि यह दौरा उनके लिए अनुभव और सफलता दोनों लेकर आएगा।

बांग्लादेश की निकली अकड़... टी20 वर्ल्ड कप से हुआ बाहर

-आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को किया टूर्नामेंट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने बांग्लादेश को आइना दिखाते हुए टी20 विश्व कप 2026 से बाहर कर दिया है। शनिवार को आईसीसी ने आधिकारिक पत्र जारी कर बांग्लादेश को बाहर करने का फैसला सुनाया। चार जनवरी से चले आ रहे हाईवोल्टेज ड्रामे के बाद आखिरकार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। इससे बोर्ड के साथ-साथ वहां के खिलाड़ियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को आधिकारिक तौर पर जानकारी दे दी है कि उन्हें टी20 विश्व कप से बाहर किया जा चुका है और स्कॉटलैंड से रिप्लेस किया गया है। बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप में भारत का दौरा करने से मना किया था और सुरक्षा कारणों का हवाला दिया था। यह पूरा मामला मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर करने के बाद उठा था।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने वैश्विक संस्था को आधिकारिक रूप से सूचित करने से पहले ढाका में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी, जो प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। उन्हें साफ तौर पर बताया गया कि उन्हें रिप्लेस किया जा रहा है। बांग्लादेश के खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरुल ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की यात्रा नहीं करने की बात कही थी, जबकि आईसीसी की ओर से बार-बार सुरक्षा को लेकर आश्वासन दिया गया था। उधर क्रिकेट स्कॉटलैंड ने कहा है कि उन्हें अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं मिली है, लेकिन माना जा रहा है कि यह सिर्फ समय की बात है और उन्हें जल्द सूचना दे दी जाएगी।

भारत में स्कॉटलैंड को खेलने हैं चार मैच

मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, बांग्लादेश को अपने लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलने थे। लेकिन अब उसकी जगह स्कॉटलैंड ग्रुप सी का हिस्सा बन गया है और कार्यक्रम के अनुसार तय मुकाबले खेलेगा। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अन्य टीम को मौका मिला है। साल 2009 में जब जिम्बाब्वे ने इंग्लैंड में हुए टी20 विश्व कप से हटने का निर्णय लिया था, तब स्कॉटलैंड को शामिल किया गया था। अब बांग्लादेश ने अपनी जिद पर कायम रहते हुए टी20 विश्व कप के मुकाबले भारत में खेलने से इन

टी20 विश्वकप में अभिषेक होंगे भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड : शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री मानना है कि आगामी टी20 विश्वकप में आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। शास्त्री के अनुसार अभिषेक इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम के ट्रंप कार्ड साबित होंगे । इस पूर्व कोच के अनुसार अभिषेक निडर होकर खेलते हैं । उनमें गजब का आत्मविश्वास है और ऐसे में वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से विरोध टीम के गेंदबाजी क्रम को धवस्त कर देते हैं । इसके अलावा उन्हें घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा । इससे वह टूर्नामेंट के सबसे खतरनाक बल्लेबाज बनकर उभरेंगे । यहां एक कार्यक्रम में शास्त्री ने अभिषेक की जममर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विश्वकप में सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी होंगे जो मैच बदलने में सक्षम रहेगा । उनके अनुसार अभिषेक इस समय जबरदस्त लय में हैं जिसका लाभ भी उसे मिलेगा । जिस प्रकार का आत्मविश्वास उसके अंदर भरा हुआ है । उससे भी उससे एक आक्रामक बल्लेबाज बनने में सहायता मिली है । वह मैदन में उतरते ही विरोधी टीम के गेंदबाजों पर दबाव बना देता है । शास्त्री का मानना है कि अभिषेक की सबसे बड़ी ताकत उकसा आत्मविश्वास है । वह घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलने से और भी खतरनाक हो जाता है । साथ ही कहा , अगर अभिषेक रन बनाते हैं, तो इसका सीधा मतलब है कि भारत मैच में आगे बना रहेगा रहेगा । इससे अंदाजा होता है कि अब भारतीय टीम की सफलता काफी कुछ अभिषेक की बल्लेबाजी पर आधारित रहती है ।

देश में टेनिस प्रतिभाओं को आगे लाना चाहते हैं पेसं

कोलकाता। ओलंपिक पदक विजेता दिग्गज टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस का लक्ष्य देश में टेनिस सहित अन्य खेलों की प्रतिभाओं को आगे लाना है । पेस का कहना है कि वह एक टेनिस अकादमी खोना चाहते हैं । उन्होंने आगे कहा, 'टेनिस मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि यह वह खेल और माध्यम है जिसे मैंने चुना है, और इसने मुझे मेरा जीवन दिया है आज मैं जहां भी पहुंचा हूं उसे पीछे यही खेल है । बंगाल टेनिस में कदम जमाने के बाद मेरा लक्ष्य एक पेशेवर अकादमी और ऐसा बुनियादी ढांचा स्थापित करना है जो ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचे । यह उस कार्य का हिस्सा है जिसे मैंने अभी शुरू किया है, और जल्द ही आप मुझे पूरे देश में टेनिस के विकास में और अधिक सक्रिय रूप से शामिल होते देखेंगे। मुझे लगता है कि टेनिस के खेल को बढ़ावा देने के लिए मैं बहुत कुछ कर सकता हूं । इसलिए, मैं टेनिस और अन्य खेलों के माध्यम से पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं ।' पुरुष युगल में तीन-तीन बार फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन, एक-एक बार ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन जीतने वाले लिएंडर, जिनमें से चार खिताब उन्होंने महेश भूपति के साथ जीते हैं, और 10 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम करने वाले टेनिस इतिहास के सबसे सफल भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं । पेसे ने अटलांटा में आयोजित 1996 के ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वह ओलंपिक में टेनिस में पदक हासिल करने वाले पहले एशियाई बने ।

एचआईएल : फाइनल की जंग में हैदराबाद तूफान्स और रांची रॉयल्स के बीच करो या मरो मुकाबला

भुवनेश्वर (एजेंसी)। एचआईएल के फाइनल की तस्वीर रविवार को और साफ हो जाएगी, जब हैदराबाद तूफान्स और रांची रॉयल्स क्वालिफायर-2 के 'करो या मरो' मुकाबले में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम सोमवार को खिताबी मुकाबले में क्वालिफायर-1 की विजेता और लीग तालिका में शीर्ष पर रही कलिंगा लांसर्स से भिड़ेगी, जबकि हारने वाली टीम को एचआईएल जीसी के खिलाफ तीसरे-चौथे स्थान का मैच खेलना होगा।

एलिमिनेटर से आत्मविश्वास लेकर उतरेगी तूफान्स

हैदराबाद तूफान्स ने एलिमिनेटर मुकाबले में एचआईएल जीसी को 2-0 से हराकर क्वालिफायर-2 में जगह बनाई। इस मैच में टीम ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और मिले मौकों का पूरा फायदा उठाते हुए फाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा।

करीबी हार के बाद वापसी की तलाश में रॉयल्स

रांची रॉयल्स क्वालिफायर-1 में कलिंगा लांसर्स से बेहद रोमांचक मुकाबले में 1-2 से हारकर यहां पहुंची है। यह मैच आखिरी पलों तक बराबरी का रहा, जिससे साफ है कि रॉयल्स के पास वापसी की पूरी क्षमता मौजूद है।

कप्तानों का बयान: दबाव में भी भरोसा कायम

हैदराबाद तूफान्स के कप्तान सुमित ने कहा, 'हम आक्रामक हॉकी खेलने के लिए जाने जाते हैं और एलिमिनेटर में भी हमने यही रणनीति अपनाई थी। क्वालिफायर-2 में भी हम उसी इरादे के साथ उतरेंगे। 'करो या मरो' जैसे हालात अब हमारे लिए सामान्य हो गए हैं।' उन्होंने आगे कहा कि टीम का फोकस मजबूत शुरुआत करने और जल्दी गोल करने पर रहेगा, ताकि आत्मविश्वास बढ़ाया जा सके।

वहीं, रांची रॉयल्स के कप्तान टॉम बून ने कहा, 'लांसर्स के खिलाफ मुकाबला बेहद करीबी था, लेकिन अब हमारा पूरा ध्यान अगले मैच पर है। हमारे पास अभी एक और मौका है और यही सबसे अहम है। हम अपनी कमियों का विश्लेषण कर बेहतर वापसी करेंगे।'

उन्होंने यह भी जोड़ा कि हैदराबाद एक मजबूत टीम है, लेकिन रॉयल्स को अपनी गुणवत्ता और खेल पर पूरा भरोसा है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : नाओमी ओसाका चोट के कारण तीसरे दौर से हटीं

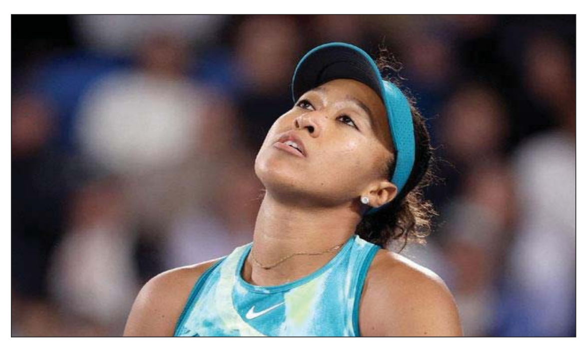

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) । जापानी स्टार नाओमी ओसाका ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर से पहले मैच से हटने का फैसला किया । चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन को तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस से खेलना था । इस तरह उनका फैशन और विवादों भरा अभियान यहीं समाप्त हो गया । ओसाका ने सोशल मीडिया पर घोषणा की, लेकिन चोट की पूरी जानकारी नहीं दी । इंस्टाग्राम पर उन्होंने लिखा कि पिछले मैच के बाद उन्हें 'अपने शरीर की एक समस्या पर ध्यान देना है, जिसे इलाज की जरूरत है ।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं आगे बढ़ने के लिए बहुत उत्साहित थी, और यह सफर मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता था । इसलिए यहां रुकना मेरे लिए दिल तोड़ने वाला है । लेकिन मैं और नुकसान का जोखिम नहीं उठा सकती ।' टूर्नामेंट द्वारा जारी बयान में ओसाका ने बताया कि उन्हें पेट के बाईं ओर दिक्कत थी । उन्होंने कहा, 'यह चोट पहले भी हो चुकी है, मैंने पिछला मैच दर्द के साथ खेला । आज वार्म-अप के दौरान दर्द ज्यादा बढ़ गया । मुझे और जांच करवानी होगी ।' ओसाका ने यह भी कहा कि गर्भावस्था के बाद उनके शरीर में बदलाव आए हैं, इसलिए उन्हें सावधानी बरतनी होगी । उनकी बेटी शाई का जन्म 2023 में हुआ था । ओसाका 2024 में प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटी और पिछले साल अमेरिकी ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं । ऑस्ट्रेलियाई ओपन की शुरुआत में उनकी एंट्री वायरल हो गई थी । वह अपने पहले दौर के मैच में चौड़ी टोपी, घूंघट और सफेद छाते के साथ कोर्ट पर आई थीं । दूसरे दौर में उन्होंने सोराना क्रिस्टिया को 6-3, 4-6, 6-2 से हराया । अब इंग्लिस का सामना इगा स्वियातेक से होगा, जिन्होंने अन्ना कालिंस्काया पर 6-1, 1-6, 6-1 से जीत दर्ज की ।

भारतीय फुटबॉलर मनीषा ने पेरु के क्लब से किया करार

लीमा । भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण अब पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी । मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है । मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा । मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी । उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं । मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है ।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं । मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर भी हैं । इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए । वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है । उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी । उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा । ''साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है । उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है । ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा । उनका ध्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास, फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व विश्व नंबर-1 नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अपना शानदार अभियान जारी रखते हुए एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। शनिवार को उन्होंने डच खिलाड़ी बोटिक वैन डी ज़ैंड्सचुल्प को सीधे सेटों में हराकर ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 400 मैच जीतने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए।

दस बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन जोकोविच ने मुकाबले में दबाव के अहम पलों में संयम बनाए रखा और 6-3, 6-4, 7-6(4) से जीत दर्ज कर मेलबर्न पार्क में 21 में से 18वीं बार चौथे दौर में जगह बनाई। खासतौर पर तीसरे सेट के टाईब्रेक में उनका अनुभव और नियंत्रण निर्णायक साबित हुआ।

फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी

जोकोविच की यह 400वीं ग्रैंड स्लैम जीत मेलबर्न में और भी खास रही, क्योंकि इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में 102 मैच जीतने के रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। एटीपी के अनुसार, यह उपलब्धि उन्हें ओपन युग के महान खिलाड़ियों की सूची में और मजबूत करती है।

फिटनेस और आगे की चुनौती पर बोले जोकोविच

मैच के बाद ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में जोकोविच ने कहा कि वह टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत से खुश हैं, लेकिन अभी खुद को आगे नहीं देख रहे।

'मैं पिछले साल से सबक सीख चुका हूं। मैं खुद को जरूरत से ज्यादा आगे नहीं सोच रहा। ये युवा खिलाड़ी मुझे कड़ी चुनौती दे रहे हैं, लेकिन मैं अभी भी यहां हूं और डटा हुआ हूं,' उन्होंने कहा।

अगला मुकाबला और संभावित सेमीफाइनल

जोकोविच अब अगले दौर में याकुब मेंसिक या ईथन क्विन से भिड़ेंगे। मेलबर्न में अब तक एक भी सेट गंवाए बिना खेल रहे जोकोविच संभावित सेमीफाइनल से सिर्फ दो जीत दूर हैं, जहां उनका सामना मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर से हो सकता है। सिनर ने भी पहले चौथे दौर में पहुंचने के लिए कड़े मुकाबले में ऐंठन से जूझते हुए जीत दर्ज की।

मुकाबले का रोमांच

पिछले साल इंडियन वेल्स में वैन डी ज़ैंड्सचुल्प से मिली हार को ध्यान में रखते हुए जोकोविच ने आक्रामक शुरुआत की। पहले सेट में उन्होंने 12 विनर्स लगाए और सिर्फ सात अनफोर्स्ड एरर किए। दूसरे सेट में डच खिलाड़ी को कंधे की समस्या के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। तीसरे सेट में खुद जोकोविच भी फिसलने के बाद मेडिकल सहायता लेने को मजबूर हुए, लेकिन उन्होंने 5-6 पर दो सेट पॉइंट बचाते हुए मुकाबले को अपने नाम किया। दो घंटे 44 मिनट चले इस मैच के बाद हेड-टू-हेड में जोकोविच ने 2-1 की बढ़त बना ली।

नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप की मेजबानी करेगा भारत

मुम्बई । भारत अगले माह फरवरी में नीदरलैंड के खिलाफ डेविस कप मैचों की मेजबानी करेगा । ये मैच सात-आठ फरवरी को बेंगलुरु में खेले जाएंगे । डेविस कप की मेजबानी में बेंगलुरु के अलावा दिल्ली भी शामिल थी पर अंत में बेंगलुरु को मेजबानी मिली । दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में रुचि दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। वहीं कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी । तब भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफाइंग चरण में प्रवेश किया था जबकि नीदरलैंड को दूसरे दौर में अर्जेंटीना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था । यह 1993 के बाद यूरोपीय धरती पर भारत की पहली जीत थी । तब सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश के नेतृत्व में भारत को जीत मिली थी ।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

नौकरीपेशा व कारोबारियों को आयकर के मोर्चे पर भी राहत दे सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। आम बजट को लेकर केंद्र सरकार की तरफ से तैयारियां अंतिम दौर में हैं। माना जा रहा है कि बजट में आर्थिक सुधार और विकास पर केंद्रित होगी, लेकिन इसके साथ ही, केंद्र सरकार नौकरीपेशा व कारोबारियों को आयकर के मोर्चे पर भी थोड़ी राहत दे सकती है। संभावना जताई जा रही है कि आयकर व्यवस्था के तहत दो तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। पहला, न्यू टैक्स रिजीम के तहत मानक कटौती को बढ़ाया जा सकता है। दूसरा, 30 प्रतिशत कर स्लैब में बदलाव किया जा सकता है। नई आयकर व्यवस्था के तहत मौजूदा समय में 75 हजार रुपये की मानक कटौती मिलती है, जिसके बाद 12.75 लाख तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं लगता है। संभावना जताई जा रही है कि सरकार इसकी सीमा को बढ़ाकर एक लाख कर सकती है, जिसके बाद 13 लाख तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं लेगा। इससे नौकरीपेशा लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं, अभी तक टैक्स स्लैब के हिसाब से सालाना 24 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत का इनकम टैक्स लगता है, जिसको लेकर आम लोगों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की तरफ से सरकार को सुझाव दिया गया।

रिलायंस ने 16 सहायक कंपनियों का किया विलय

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने कारोबार में बड़ा बदलाव किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 16 स्टेप-डाउन पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनियों को अपनी क्लीन-एनर्जी शाखा, रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड में मिला दिया है। यह विलय 21 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गया है। रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड के अंतर्गत विलय की गई कंपनियों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रोलाइज़र निर्माण, एनर्जी स्टोरेज, कार्बन फाइबर सिलेंडर, हाइड्रोजन फ्यूल सेल और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं से जुड़ी इकाइयां शामिल हैं। इनमें रिलायंस पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, रिलायंस इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड, रिलायंस ग्रीन हाइड्रोजन एंड ग्रीन केमिकल्स लिमिटेड, रिलायंस न्यू एनर्जी स्टोरेज लिमिटेड, रिलायंस हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलिसिस लिमिटेड, रिलायंस हाइड्रोजन फ्यूल सेल लिमिटेड, कच्छ न्यू एनर्जी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड सहित कालंबोली स्थित तीन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां भी शामिल हैं। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 18,540 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती, उपभोक्ता उत्पाद कारोबार के अलग होने और त्योहारों की खरीद दो तिमाहियों में बंट जाने के कारण खुदरा कारोबार की आय में वृद्धि सीमित रही। हालांकि, ऊर्जा और डिजिटल कारोबार में मजबूत मार्जिन से मिले लाभ ने इस असर की काफी हद तक भरपाई कर दी।

अज़ीम प्रेमजी विवि में पोस्टग्रैजुएट डिप्लोमा प्रोग्रैम में प्रवेश शुरु

बेंगलूरु, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में शिक्षक व शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे पेशेवरों के लिए स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम में प्रवेश शुरु हो गए हैं। यह डिप्लोमा प्रोग्रैम अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु कैंपस में होगा। 2026 के प्रवेश के लिए तिथियाँ निम्नानुसार हैं, आवेदन की आख़िरी तारीख़ 12 फरवरी 2026, साक्षात्कार फरवरी 2026, कक्षाओं की शुरुआत 1 मार्च 2026 ऊपर दी गई तिथियों में कोई भी बदलाव हो सकता है। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए मोबाइल- 8971889988 संपर्क कर सकते हैं स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम में, आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, शैक्षणिक मूल्यांकन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, लर्निंग डिसाब्लेटी वाले बच्चों का पढ़ाने में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम की रूपरेखा- यह एक साल का पार्ट-टाइम स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम है। यह प्रोग्रैम सैद्धांतिक और व्यावहारिकपक्षों को ऑनलाइन और ऑफ़लाइन, इन दोनों तरीकों से साथ में सिखाया जाता है। यह प्रोग्रैम, सामान्य स्कूल सिस्टम में काम करने वालेउच्च स्तरीय पेशेवरों और शिक्षकों के लिए बनाया गया है। इस प्रोग्रैम की लचीली तासीर की वजह से कामकाजी पेशेवर अपना काम जारी रखते हुए भी इसमें प्रवेश लेकर सीख सकते हैं।

एएसएफइनसिग्निया ने अल्फा अल्टरनेटिव्स से 1,250 करोड़ पूंजी की प्रतिबद्धता हासिल की

संस्थागत पूंजी से बैलेंस शीट मजबूती होगी और गुरुग्राम कैंपस में दीर्घकालीन परिसंपत्ति वृद्धि को मदद मिलेगी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम की वत्सल वैली में रणनीतिक रूप से स्थित और दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम सीबीडी के साथ अच्छा संपर्क रखने वाले एक विशाल एकीकृत वाणिज्यिक आईटी कार्यालय कैंपस एएसएफ इनसिग्निया ने मुंबई मुख्यालय वाले अल्फा अल्टरनेटिव्स से करीब 1,250 करोड़ रुपये के इक्विटी और अर्ध-इक्विटी निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की है।

यह सौदा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली कार्यालय रीयल एस्टेट संपत्तियों में सतत संस्थागत रुचि परिलक्षित करता है।

यह निवेश कई हिस्सों में किया जाएगा जिसमें से करीब 450 करोड़ रुपये का पहला हिस्सा पहले ही प्राप्त हो चुका है। इस पूंजी का उपयोग ऋण में कमी के जरिए एएसएफ इकाइयों के पूंजी ढांचे में सुधार के लिए किया जाएगा। इससे लक्षित आधारभूत ढांचे और सुविधाओं को अपग्रेड करने, रिफाइनमेंट्स के निर्माण और पूरे कैंपस में अनुभवों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसका उद्देश्य लीजिंग की गति में जान फूंकना और इस संपत्ति को एक दीर्घकालीन प्रमुख वाणिज्यिक कार्यालय परियोजना के तौर पर पुनर्स्थापित करना है।

इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए एएसएफ इनसिग्निया के श्री अनिल सराफ ने कहा, अल्फा अल्टरनेटिव्स की ओर से यह निवेश एएसएफ इनसिग्निया के दीर्घकालीन आधारभूत सिद्धातों और एक संस्थागत संचालित कार्यालय पारितंत्र के निर्माण की हमारी रणनीति को मजबूती प्रदान करता है। हमारा ध्यान बैलेंस शीट, संपत्ति की गुणवत्ता को मजबूत करने और एक ऐसे कैंपस का निर्माण करने पर केंद्रित है जो बड़े उपक्रमों और वैश्विक क्षमता वाले केंद्रों की उभरती जरूरतों को किफायती लागत के आधार पर निरंतर पूरा करे। अल्फा अल्टरनेटिव्स के श्री कौशल बियानी ने कहा, अल्फा अल्टरनेटिव्स के दीर्घकालीन मूल्य सृजन के दर्शन, कठोर जोखिम प्रबंधन और पूरे बाजार चक्रों में सतत निष्पादन की तर्ज पर हम एएसएफ इनसिग्निया टीम के साथ साझीदारी को लेकर गौरवान्वित हैं क्योंकि वे वृद्धि के अगले चरण में प्रवेश करने जा रहे हैं। हमें व्यापक स्तर के करीब 45 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैले एक उच्च गुणवत्ता की कार्यालय संपत्ति में निवेश करते हुए खुशी है और हम श्री सराफ और एएसएफ इनसिग्निया टीम के साथ काम करके एएसएफ इनसिग्नियाकांप्लेक्स को पुनर्जीवित करने की दिशा में काम करेंगे। यह परियोजना गुणवत्ता और मूल्य का एक आकर्षक मिश्रण प्रस्तुत करती है और हम अग्रणी ऑफिस यूज़र्स के साथ गठबंधन को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि एएसएफ इनसिग्निया गुरुग्राम में एक भविष्योन्मुखी, एकीकृत कार्यालय परिसर के तौर पर उभर रही है। इस साझीदारी से पूर्व एएसएफ इनसिग्निया ने जेपी मॉर्गन के साथ संस्थागत गठबंधन किया था जिसने ढाई गुना रिटर्न दिया और यह दीर्घकालीन पूंजी निवेश के बल पर वृद्धि के एक नए चरण का प्रतीक है।

टैक्स प्रोडक्ट के तौर पर नहीं

डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने ईएलएसएस को एक अनुशासन टूल के तौर पर पेश किया

मुंबई, एजेंसी। यह सही है कि भारतीय इंवेस्टर्स के पास पहले से कहीं ज़्यादा इक्विटी प्रोडक्ट का ऐक्सेस है, लेकिन बाज़ार साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करना एक चुनौती बनी हुई है। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने एक ऐसे परिप्रेक्ष्य की ओर संकेत किया है जो इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) को मुख्य रूप से टैक्स-सेविंग उपकरणों के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रोडक्ट के रूप में दिखाता है जो लंबे समय तक इंवेस्टिग में व्यवहार संबंधी दूरी को कम करने में सहायता कर सकते हैं।

इंवेस्टर्स के बढ़ते सेगमेंट के लिए सेक्शन 80ष्ट के तहत टैक्स संबंधी विचार का कोई अर्थ नहीं होने के कारण ईएलएसएस ने हालिया बरसों में माइंडशेयर में कमी देखी है। हालाँकि, डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड का मानना है कि टैक्सेशन के अतिरिक्त कारणों के बावजूद ईएलएसएस की संरचनात्मक विशेषताएँ, विशेष रूप से अनिवार्य तीन साल का लॉक-इन, प्रासंगिकता बनाए रखते हैं। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड के हेड कंज़्यूमर ग्रोथ मार्केटिंग, मनीष राठी ने कहा, इंवेस्टर्स के परिणाम अक्सर प्रोडक्ट सिलेक्शन से कम और व्यवहार से ज़्यादा प्रभावित होते हैं। अस्थिरता की अवधि में, इंवेस्टर्स जल्दी बाहर निकलते हैं, गति का पीछा करते हैं या बाज़ार की शॉर्ट-टर्म उठा-पटक का जवाब देते हैं। ईएलएसएस की लॉक-इन सुविधा इंवेस्टर्स को साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करने के लिए प्रोत्साहित करके इन रुझानों को कम करने में मदद कर सकती है। डीएसपी के इंटरनल डेटा से यह संकेत मिलता है कि डिजिटल, डू-इट-योरसेल्फ़ इक्विटी इंवेस्टर्स के लिए औसत होल्डिंग अवधि लगभग 2.5 वर्ष है, जो आम तौर पर लॉन्ग-टर्म धन के सृजन के लिए ज़रूरत से कम है। इस संदर्भ में, ईएलएसएस अपने वैधानिक तीन साल के लॉक-इन और विविध इक्विटी एक्सपोज़र के साथ निर्माण और ऐतिहासिक परिणामों के संदर्भ में एक फ़्लेक्सिकैप-स्टाइल इक्विटी प्रोडक्ट की तरह काम करता है, जबकि लागू किया गया इंवेस्टमेंट अनुशासन का एक तत्व जोड़ता है। राठी ने कहा, यह ईएलएसएस को आज के इंवेस्टर के वातावरण के लिए प्रासंगिक बनाता है। जब स्वाभाविक झुकाव शॉर्ट-टर्म बाज़ार मूवमेंट पर प्रतिक्रिया करना है, तो एक प्रोडक्ट संरचना जो इंवेस्टर्स को लंबे समय तक इंवेस्ट करते रहने के लिए प्रेरित करती है।

न्युवोको विस्टास ने भारत मे प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट रेंज आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने अपने आर्टिस्ट डेकोरेटिव कॉंक्रीट पोर्टफोलियो के तहत एक नई प्रीमियम रेंज, न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। आधुनिक निर्माण और लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट्स के लिए विकसित, एलीट कलेक्शन कलात्मक समझ को तकनीकी सटीकता के साथ जोड़ता है।

यह रेंज चार आधुनिक, इस्तेमाल के लिए तैयार डेकोरेटिव कॉंक्रीट फिनिश पेश करती है जो विश्वसनीय प्रदर्शन देते हुए खूबसूरती को बढ़ाती हैं। इसमें रिफाइंड टेक्सचर, आधुनिक पैटर्न और नेचुरल कलर रंग पैलेट्स हैं, जो वॉकवेज, ड्राइववे, लैंडस्केप एरिया, पोडियम और प्रीमियम आउटडोर और सेमी-आउटडोर जगहों के लिए बहुत उपयुक्त है। हर डिजाइन उच्च-गुणवत्ता वाली फिनिश और सरफेस डिटेलिंग के साथ तैयार किया गया है जो गहराई, बनावट और मटीरियल के कैरेक्टर को उजागर करता है, जिससे प्रोजेक्ट्स में एकरूपता सुनिश्चित होती है और डिजाइनरों और स्पेसिफायर्स को क्रिएटिव लचकता मिलती है। चिराग शाह, हेड, मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन सोच-समझकर, डिजाइन-आधारित सॉल्यूशंस पर हमारे फोकस को दर्शाता है। यह रेंज खूबसूरती, सस्टेनेबिलिटी और इस्तेमाल में आसानी को जोड़ती है, जिससे ग्राहक आत्मविश्वास के साथ खास जगहें बना सकते हैं। एलीट कलेक्शन आर्टिस्ट की एक प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट ब्रांड के रूप में स्थिति को मजबूत करता है।

वाहनों और डीजल जनरेटरों में ईंधन की बचत और प्रदूषण कम करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज का स्वदेशी हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट (एचडीएफके), जिसे कंपनी ने पेटेंट भी कराया है, वाहनों और डीजल जनरेटरों में उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधनकी खपत कम करने के लिए एक बेहद प्रभावी समाधान बनकर उभरा है। इस नवाचार को हाल ही में तब बड़ी सफलता मिली जब इसे विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित एक समारोह में बेस्ट इमर्जिंग हाइड्रोजन मोबिलिटी वेंचर के लिए प्रतिष्ठित एनर्शिया अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। आईआईटी दिल्ली में विकसित, एएचओडीएस हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट अपने आप में एक अनोखा आविष्कार है जो टेलपाइप उत्सर्जन (धुए) में 70 प्रतिशत तक की कमी और ईंधन में लगभग 20 प्रतिशत तक की बचत करता है। यह तकनीक ऑटोमोटिव, बिजली उत्पादन, भट्टियों, बॉयलर, कृषि मशीनरी और औद्योगिक अनुप्रयोगों सहित कई क्षेत्रों के लिए उपयोगी है, जो इसे स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने का एक व्यावहारिक और कारगर उपाय बनाती है। इस किट को विभिन्न उद्योगों जैसे कि पेय पदार्थ, विनिर्माण, वस्त्र और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में डीजल पावर जनरेटरों में सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है। विशेष रूप से, यह किट पुराने हो चुके वाहनोंके लिए एक विशेष और असरदार समाधान प्रदान करती है, जिससे वाहन बदले बिना ही प्रदूषण में भारी कमी लाई जा सकती है। औद्योगिक बॉयलरों में इस तकनीक का एकीकरण भी अब अंतिम चरण में है। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज ने एचडीएफके को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए नीतिगत सहयोग और समर्थन मांगने हेतु सीएक्यूएम, सीपीसीबी और जीएनसीटीडी के समक्ष औपचारिक प्रस्तुतियां दी हैं और प्रस्ताव जमा किए हैं। एएचओडीएस डुअल फ्यूल किट, जिसे एडीएफके के नाम से भी जाना जाता है, ने नेत्रा टेक्नोलॉजी रेडिनेस लेवल (टीआरएल) 7 प्रमाणन प्राप्त कर लिया है और एमआईडीसी साइकिल के तहत इसका सफल व्हीकल चेसिस डायनेमोमीटर परीक्षण भी किया गया है। यह प्रणाली मॉड्यूलर है, अपने आप में पूर्ण है और इसे किसी बाहरी गैस सप्लाई इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता नहीं होती। यही खूबी इसे पहाड़ी और रेगिस्तानी इलाकों जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती है। एएचओडीएस समाधान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए इंजन में किसी भी तरह के बदलावकी जरूरत नहीं पड़ती। इसमें पीने के पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए मांग के अनुसार हाइड्रोजन तैयार की जाती है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने उद्योग में बनाई बढ़त

नई दिल्ली, 21 जनवरी 2026 — गर्मियों के पीक सीजन से पहले, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड , सबसे भरोसेमंद ब्रांड (इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में) ने घोषणा की है कि वह 2026 के नए ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) स्टार रेटिंग मानकों के पूरी तरह अनुरूप एयर कंडीशनरों की व्यापक रेंज पेश करने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल है।

एलजीईआईएल की यह अग्रिम पहल सुनिश्चित करती है कि भारतीय उपभोक्ताओं को आज ही सबसे उन्नत और ऊर्जा-कुशल कूलिंग तकनीक उपलब्ध हो सके। नए बीईई मानक ऊर्जा दक्षता के स्तर में एक बड़ा बदलाव दर्शाते हैं, जिससे पूरे उद्योग के लिए मानक और ऊंचे हो गए हैं और भारत को वैश्विक ऊर्जा प्रदर्शन मानकों के अनुरूप लाया गया है। एलजीईआईएल ने अपने पोर्टफोलियो को पहले ही अपग्रेड कर लिया है, जो उसकी स्थिरता और जिम्मेदार उत्पाद विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संजय चितकारा, को-चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर, टिप्पणी करते हुए कहा, जैसे-जैसे भारत सख्त ऊर्जा दक्षता मानकों की ओर बढ़ रहा है, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड इस बदलाव को शुरुआती अनुपालन और भविष्य के लिए तैयार उत्पाद नवाचार के माध्यम से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। नए बीईई मानकों के अनुरूप पहले से तैयार हमारे पोर्टफोलियो के साथ, एलजीईआईएल नए सीजन में पूरी तरह तैयार है कि वह अपने उपभोक्ताओं को भरोसेमंद, ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनिंग समाधान प्रदान करे।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड

मुंबई, एजेंसी।
भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक नया फंड ऑफर – एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड – लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है, जो बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स के घटकों में निवेश करता है। इस फंड का एनएफओ 23 जनवरी 2026 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 6 फरवरी 2026 को बंद होगा। इस फंड का प्रबंधन कार्तिक कुमार (फंड मैनेजर) करेंगे। न्यूनतम निवेश राशि 100 है। यह फंड निवेशकों को लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण का अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखता है। यह नया फंड निवेशकों को बीएसई 500 इंडेक्स के 21 क्षेत्रों की भारत की प्रमुख कंपनियों में व्यापक निवेश करने का एक समझदारी भरा तरीका प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस फंड में बीएसई 500 इंडेक्स के प्रत्येक 21 सेक्टरों से उनकी औसत छह महीने की दैनिक टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर शीर्ष तीन कंपनियों को शामिल किया जाएगा। यह निवेशकों को भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अपने डोमेन की स्थापित दिग्गज कंपनियों तक पहुँच प्रदान करता है। यह फंड निवेशकों को न केवल इंडेक्स के प्रमुख क्षेत्रों, बल्कि अर्थव्यवस्था के उभरते हुए क्षेत्रों में भी निवेश करने में मदद करता है। इस नए फ़ंड के लॉन्च के अवसर पर, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ, बी. गोपकुमार ने कहा, जैसे-जैसे बाज़ार विकसित हो रहे हैं, निवेशक निवेश के नए और आधुनिक समाधान तलाश रहे हैं। एक्सिस म्यूचुअल फंड में हमारा मानना है कि जो कंपनियाँ अपने सेगमेंट का नेतृत्व करती हैं, उनमें मज़बूत बुनियादी ढाँचा और लचीलापन होता है। एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड एक विविध ढांचे के माध्यम से अपने क्षेत्र की अग्रणी और भरोसेमंद कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करता है। हमारा मानना है कि यह फंड निवेशकों को भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था और भविष्य में भागीदारी करने का मौका देगा।

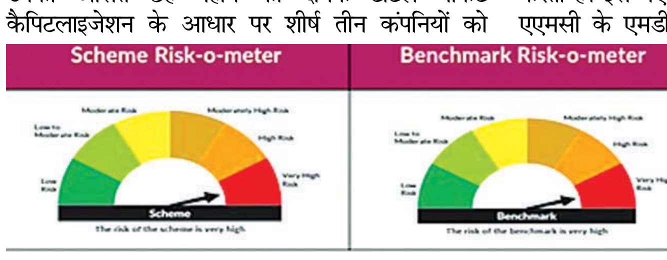

सेक्टर लीडर्स में निवेश– यह फंड उन निवेशकों के लिए बनाया गया है जो विभिन्न सेक्टरों में स्थापित लीडर कंपनियों के जरिए व्यापक बाजार एक्सपोज़र चाहते हैं। बीएसई 500 इंडेक्स के आधार पर, यह 21 सेक्टरों में से प्रत्येक के शीर्ष तीन कंपनियों में निवेश करेगा। इन सेक्टरों में वित्तीय सेवाएं, सूचना प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्र, कमोडिटीज़, एफएमसीजी, हेल्थकेयर आदि शामिल हैं।

इंडेक्स संरचना– यह फंड लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में विविध निवेश प्रदान करता है, जिससे अत्यधिक एकाग्रता का जोखिम कम होता है और सेक्टर के आकार की परवाह किए बिना उचित वेटेज मिलता है। इसका पुनर्गठन हर छह महीने में किया जाएगा, जिससे पोर्टफोलियो का समय-समय पर संतुलन बना रहे।

संतुलित जोखिम– इस इंडेक्स में प्रत्येक स्टॉक का न्यूनतम वेटेज 1% और अधिकतम वेटेज 5% तय है।

रणबीर कपूर बने पीएनजी ज्वेलर्स के नए ब्रांड एंबेसडर, विरासत और आधुनिकता के नए अध्याय की शुरुआत

मुंबई, एजेंसी।
वर्ष 1832 से चली रही विरासत और भारत के सबसे प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांड्स में से एक, पीएनजी ज्वेलर्स ने बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है. परंपरा, विश्वासार्हता और आधुनिक आकर्षण के साथ रणबीर कपूर पीएनजी ज्वेलर्स की सफर में एक रोमांचक नया अध्याय जोड़ते हैं, क्योंकि ब्रांड अपनी राष्ट्रीयमौजूदगी को और मजबूत कर रहा है. महाराष्ट्र में स्थापित और अब पूरे भारत व विदेशों में आत्मविश्वास के साथ विस्तार कर रहा पीएनजी ज्वेलर्स, डॉ. सौरभ गाडगीळ के नेतृत्व में एक स्पष्ट और दूरदर्शी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है. रणबीर कपूर के साथ यह साझेदारी ब्रांड के विकास को दर्शाती है, साथ ही अपने मूल्यों विश्वास, कारीगरी और विरासत से इसकी गहरी जुड़ाव को भी बनाए रखती है. बॉलीवुड के प्रतिष्ठित कपूर परिवार की सबसे युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले रणबीर की फिल्मी विरासत और उनकी हिंदी फ़िल्म प्रेमियों के बीच उनके बड़े फैन की संख्या इस सहयोग को पीएनजी ज्वेलर्स के अगले विकास पड़ाव के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है, जो भारत के सभी आयु वर्गों को जोड़ने में मदद करेगी. जनवरी 2026 से शुरू होने वाला यह सहयोग, रणबीर कपूर को मौजूदा ब्रांड फेस के साथ पीएनजी ज्वेलर्स का एंबेसडर बनाएगा। उनकी भूमिका राष्ट्रीयस्तर पर ब्रांड की पहचान को मज़बूत करने,भरोसा बढ़ाने और एंडोर्समेंट, एडवोकेसी और ब्रांड से जुड़ी पहलों के ज़रिए पीएनजी ज्वेलर्स की विरासत को और व्यापक बनाने पर केंद्रित होगी. हालांकि इस सहयोग के तहत किसी विशेष कलेक्शन का लॉन्च नहीं किया जा रहा है, लेकिन यह साझेदारी ब्रांड की दीर्घकालिक विकास रणनीति और राष्ट्रीय रिटेल विस्तार में एक महत्वपूर्ण संकेत है. इस सहयोग पर बोलते हुए अभिनेता रणबीर कपूर ने कहा, पीएनजी ज्वेलर्स एक ऐसी विरासत का प्रतीक है जो पीढ़ियों से चली आ रही है,जो विश्वास व मूल्यों पर आधारित है, जो सच में मुझसे मेल खाते हैं . अपनाने वाले इस ब्रांड का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद स्वाभाविक है, और इस सफर में उनके साथ जुड़कर मुझे गर्व महसूस हो रहा है. इस साझेदारी को लेकर अपनी खुशी और इसके ब्रांड पर दूरगामी प्रभाव को साझा करते हुए पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, रणबीर कपूर विरासत और आधुनिक आकांक्षाओं का एक आदर्श संतुलन प्रस्तुत करते हैं.

क्यूपिड लिमिटेड का बाज़ार स्टाइल रिटेल में 331.53 करोड़ का रणनीतिक निवेश

मुंबई, एजेंसी।
क्यूपिड लिमिटेड (बीएसई - 530843, एनएसई - क्यूपिड) ने बाज़ार स्टाइल रिटेल लिमिटेड (स्टाइल बाज़ार) में 331.53 करोड़ के रणनीतिक निवेश की घोषणा की है। स्टाइल बाज़ार देशभर के प्रमुख बाज़ारों में 250+ स्टोर्स का संचालन करने वाली एक स्थापित और लाभदायक वैल्यू रिटेल चेन है, जो कुशल और सुदृढ़ परिचालन के लिए जानी जाती है।आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित यह निवेश 18 महीनों की अवधि में किया जाएगा और यह क्यूपिड की रिटेल उपस्थिति को मजबूत करने, बाज़ार तक पहुंच और पैठ बढ़ाने तथा उच्च संभावनाओं वाले क्षेत्रों में विकास को गति देने की रणनीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रणनीतिक निवेश क्यूपिड लिमिटेड को एक मजबूत और तेज़ी से विस्तार कर रहे रिटेल नेटवर्क तक सीधी पहुंच प्रदान करता है, जिससे प्रमुख क्षेत्रीय बाज़ारों में उसके एफएमसीजी उत्पाद पोर्टफोलियो की उपलब्धता और दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। स्टाइल बाज़ार का व्यापक स्टोर नेटवर्क क्यूपिड को मौजूदा बाज़ारों में अपनी पकड़ और मजबूत करने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में अधिक तेज़ी और दक्षता के साथ प्रवेश करने में सक्षम बनाएगा। स्टाइल बाज़ार के 250+ स्टोर्स में क्यूपिड के उत्पादों की तत्काल उपलब्धता के साथ यह साझेदारी पहले ही दिन से लास्ट-माइल पहुंच और शेल्फ प्रेज़ेंस को मज़बूत करेगी। आने वाले दो से तीन वर्षों में स्टाइल बाज़ार के 500+ स्टोर्स तक विस्तार की योजना के साथ, क्यूपिड के एफएमसीजी उत्पाद भी इस नेटवर्क के समानांतर बढ़ने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ता संपर्क बिंदुओं में वृद्धि और ब्रांड दृश्यता में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह निवेश क्यूपिड के विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो के तेज़ रोल-आउट को भी समर्थन देगा। स्टाइल बाज़ार की मज़बूत स्टोर-स्तरीय निष्पादन क्षमता और उपभोक्ता अंतर्दृष्टि का लाभ उठाते हुए, प्राथमिक बाज़ारों में इन-स्टोर विज़िबिलिटी, मर्चेंडाइजिंग प्रभावशीलता और ग्राहक सहभागिता को और बेहतर बनाया जाएगा। भीतर बढ़कर 500 करोड़ के वार्षिक कारोबार तक पहुंचने का स्पष्ट रोडमैप दर्शाती है।

अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली में असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना की धुरंधर फिल्म में रहमान डकैत का किरदार बहुत शानदार रहा। इस रोल के बाद वह फिर से चर्चा में आ गए हैं। अब फैंस धुरंधर पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें अक्षय फ्लैशबैक में नजर आ सकते हैं। धुरंधर की सफलता के बाद कई फिल्ममेकर उन्हें अपनी फिल्मों में अक्षय को लेना चाहते हैं। लेकिन अक्षय ने अभी अपनी अगली हिंदी फिल्म की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। फिलहाल, वह अपनी पहली तेलुगु फिल्म महाकाली की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस पौराणिक फिल्म में अक्षय असुरगुरु शुक्राचार्य का रोल निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं और यह प्रशांत वर्मा के सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा है। फिल्म में मुख्य भूमिका भूमि शेट्टी निभा रही हैं। अक्षय का शुक्राचार्य वाला पहला लुक पहले ही जारी हो चुका है, जिसमें वे लंबी सफेद दाढ़ी और प्रभावशाली लुक में दिख रहे हैं। यह लुक देखकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। कथित तौर पर महाकाली 2026 में रिलीज हो सकती है।

अक्षय की फिल्में

धुरंधर की आपार सफलता के बाद अक्षय को कई बड़े ऑफर मिल रहे हैं। उन्होंने दृश्यम 3 को छोड़ दिया है, जिसमें वे पहले जांच अधिकारी का रोल निभा चुके हैं। 2025 में अक्षय ने छावा में औरंगजेब का किरदार और धुरंधर में रहमान डकैत के किरदार में खूब वाहवाही बटोरी। फैंस अब अक्षय को बड़े पर्दे पर दोबारा देखने के लिए उत्सुक हैं!

भूमि ने बताया 'द रॉयल्स' के बाद क्यों लिया था एक्टिंग से नौ महीने का ब्रेक

भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'दलदल' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच भूमि पेडनेकर ने बताया कि पिछले साल आई 'द रॉयल्स' में उनकी एक्टिंग को लेकर हुई आलोचना ने उन्हें काफी प्रभावित किया। इससे प्रभावित होकर एक्ट्रेस ने नौ महीने का लंबा ब्रेक ले लिया। अब इस ब्रेक के बाद भूमि 'दलदल' से वापसी कर रही हैं। एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने बिना किसी घोषणा के ब्रेक लिया था।

'द रॉयल्स' की आलोचना ने ब्रेक लेने पर किया मजबूर

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे बहुत ट्रोल किया गया। लेकिन इन सबके बीच बहुत सारी क्रिएटिव आलोचना भी हुई। इस सबने मुझे 2025 में अपने जीवन के लिए कुछ बहुत बड़े फैसले लेने के लिए प्रेरित किया। उनमें से एक ब्रेक लेना था। मैंने इसकी घोषणा नहीं की क्योंकि मैं इसे नाटकीय नहीं बनाना चाहती थी। दम लगा के हैशा के बाद से मैं लगातार 10 साल से अभिनय कर रही हूं। उस किरदार के लिए भूमि ने 30 किलो वजन बढ़ाया था और तब से अपने किरदारों के लिए शारीरिक परिवर्तन करना उनका निरंतर प्रयास रहा है। एक्ट्रेस ने कहा कि यह सिर्फ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है। यह इस बारे में भी है कि आप किसी किरदार की तैयारी करते समय भावनात्मक और मानसिक रूप से किन-किन चीजों से गुजरते हैं।

जून से किसी सेट पर नहीं गई

भूमि ने बताया कि इन आलोचनाओं से मैं भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थी। मैं एक अभिनेत्री के रूप में, एक इंसान के रूप में, भूमि के रूप में अपनी पहचान पूरी तरह खो चुकी थी। इसलिए मुझे पीछे हटना पड़ा। मैंने ब्रेक लिया। जून से मैं किसी सेट पर नहीं गई हूं। कई बार जब कोई कलाकार ऐसा स्वीकार करता है, तो इसे निगेटिव तरीके से देखा जाता है। लेकिन यह मैंने अपनी इच्छा से किया था। यह मेरे लिए सबसे अच्छा फैसला है।

कई फिल्में ठुकराई और अवॉर्ड्स फंक्शन को किया मना

अब नौ महीने बाद मार्च में अपने पहले कोर्टरूम ड्रामा के साथ सेट पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने कहा यह महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों द्वारा झेली जाने वाली यौन हिंसा के बारे में है। यह एक थिएटर फिल्म है। मैं पिछले दो महीनों से इस पर काम कर रही हूं। मैं फिल्म सेट पर जाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। ब्रेक के दौरान मैंने फिल्में छोड़ दीं। मुझे साइनिंग अमाउंट वापस करने पड़े। मुझे कई चेक ठुकराने पड़े, जो कि बहुत बड़ी रकम होती है। बात सिर्फ फिल्में न करने की नहीं थी, बल्कि मैंने पब्लिक अपीयरेंस भी कम कर दी। मुझे कई अवॉर्ड शो और फैशन इवेंट्स को मना करना पड़ा। मैं बस सबसे अलग होना चाहती थी। मैं यह अनुभव करना चाहती थी कि अकेले रहना कैसा लगता है। अगर मैं सब कुछ खो दूं, तो क्या मैं जीवित रह पाऊंगी? मुझे पता है कि मैं जीवित रह पाऊंगी।

खुद से किए सवाल, ब्रेक लेना सही फैसला

अपने ब्रेक के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि मेरे पास अब कोई वास्तविक अनुभव नहीं बचा था, जिसे मैं अपने अभिनय में इस्तेमाल कर सकूं। मेरा सबसे बड़ा डर हमेशा यही रहा है कि मैं कभी भी औसत दर्जे की अभिनेत्री नहीं बनना चाहती। मुझे लगता है कि मैं उस मुकाम तक पहुंच चुकी थी। मेरे लिए इसे स्वीकार करना और इससे मुंह न मोड़ना महत्वपूर्ण था। क्योंकि मैं जानती हूं कि मैं क्या कर सकती हूं। मैं खोई हुई थी, इसलिए मैंने अपने कुछ पुराने काम देखे। मैं सोच रही थी, क्या मैं सच में अभिनय कर सकती हूं? क्या मुझमें वह क्षमता है? हर अभिनेता के लिए उस दायरे से बाहर निकलना बहुत ज़रूरी है। उस अनुभव ने मुझे झकझोर दिया। मैं बहुत खुश हूं कि लोगों ने द रॉयल्स देखा। इससे कुछ अच्छा नतीजा निकला। लेकिन सबसे अच्छी बात यह हुई कि मैं भूमि से एक इंसान के तौर पर और एक अभिनेत्री के तौर पर फिर से जुड़ पाई।

पुलिस अधिकारी के किरदार में 'दलदल' में आएंगी नजर

फिलहाल अपनी फिल्म से पहले भूमि क्राइम-थ्रिलर शो दलदल में नजर आएंगी। इसमें वो मुंबई की एक पुलिस अधिकारी रीता फरेरा के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने द रॉयल्स की शूटिंग खत्म करने के तुरंत बाद इस सीरीज की शूटिंग शुरू की थी। आदित्य रावल और समारा तिजोरी भी इस शो में हैं। दलदल का निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है और यह 30 जनवरी को प्राइम वीडियो इंडिया पर रिलीज होगा।

प्रियंका चोपड़ा ने बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स की सराहना की

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी बहन मीरा चोपड़ा की डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म गांधी टॉक्स के टीज़र को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए खुलकर सराहना की है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर टीज़र शेयर करते हुए इसे 'अमेज़िंग' बताया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता और भी बढ़ गई है। प्रियंका का यह समर्थन न सिर्फ बहन के प्रति उनके प्यार को दर्शाता है, बल्कि मीरा के कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा की ओर बढ़ाए गए साहसी कदम की सराहना भी करता है। किशोर बेलेकर के निर्देशन में बनी गांधी टॉक्स एक मूक (साइलेंट) और ध्यानात्मक फिल्म है, जिसे इसकी अनोखी कहानी कहने की शैली सबसे खास बना देती है। यह फिल्म संवादों के बजाए विज़ुअल्स, अभिनय और भावनाओं के माध्यम से अपनी बात कहती है, जो दर्शकों को एक गहरे और आत्ममंथन भरे अनुभव में ले जाती है। फिल्म से जुड़े होने पर ऑस्कर विजेता संगीतकार ए. आर. रहमान ने भी इसकी अनूठी सोच और विज़न की सराहना की है। रहमान का समर्थन फिल्म की भावनात्मक गहराई और सादगी को और मजबूती देता है तथा इसके रचनात्मक दृष्टिकोण की पुष्टि करता है। मीरा चोपड़ा के प्रोडक्शन हाउस पिंकमून मेटा स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फिल्म, निर्माता के रूप में उनके करियर की एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। इस फिल्म में विजय सेतुपति, अदिति राव हैदरी और अरविंद स्वामी जैसे दमदार कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएँगे।

कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का मौका है द 50

फराह खान के रियलिटी शो द 50 का प्रीमियर 1 फरवरी को होने जा रहा है, जिसमें अभिनेत्री रिद्धि डोगरा भी नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि इस शो को वह खुद को चुनौती देने और कंफर्ट जोन से बाहर निकलने का बड़ा मौका मानती हैं। रिद्धि डोगरा हमेशा मुश्किलों से सीखकर आगे बढ़ने में यकीन रखती हैं। उनके अनुसार, एक एक्टर के तौर पर वह लगातार कुछ न कुछ सीखने में विश्वास रखती हैं और खुद को उन दायरों से बाहर निकालने के तरीके तलाशती हैं, जहां एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। वह कहती हैं, एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा सीखने और खुद को उस दायरे से बाहर निकालने के नए तरीके ढूंढती रहती हूं, जिसमें एक्टर्स अक्सर फंस जाते हैं। रिद्धि इस शो को एक खास चैलेंज के रूप में देख रही हैं, जो उन्हें नई जगहों की खोज करने का मौका देगा।

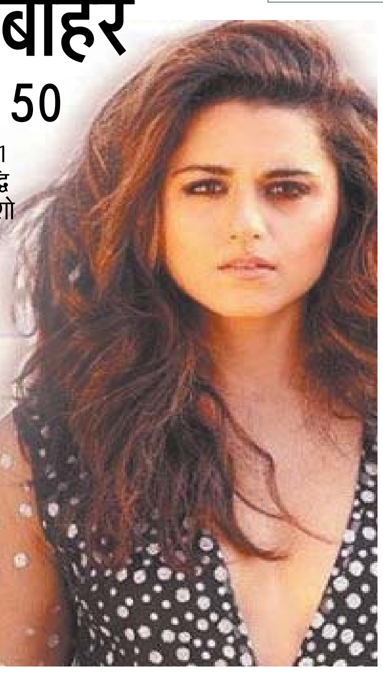

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की 'तू या मैं' का ट्रेलर रिलीज

शनाया कपूर और आदर्श गौरव की आगामी फिल्म 'तू या मैं' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। बेजॉय नाम्बियार द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो इन्फ्लुएंसर्स और एक मगरमच्छ के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उनके एक अप्रत्याशित कोलैबरेशन के बीच आ जाता है। ट्रेलर की शुरुआत में एक हाथ खून भरी मांग (1988) की वीसीआर टेप चुनता है। रेखा को मगरमच्छों से भरे पानी में फेंके जाने का पॉपुलर सीन फ्लैट स्क्रीन टीवी पर चलता है।

इसी सीन के बीच में नालासोपारा के गली रैपर मारुति कदम उर्फ आला फ्लोपारा (आदर्श) और एक हाई-क्लास इन्फ्लुएंसर अवनी शाह उर्फ मिस वैनिटी (शनाया) की एंट्री होती है। दोनों मिलते हैं, एक-दूसरे से बातचीत करते हैं और एक कोलैबरेशन के लिए शहर से बाहर जाने का फैसला करते हैं। लेकिन जल्द ही वे खुद को एक सुनसान स्विमिंग पूल में मगरमच्छ से लड़ते हुए पाते हैं। ट्रेलर में कई हैरान कर देने वाले सीन हैं। मारुति और अवनी उस मगरमच्छ से बचने के तरीके खोजने की कोशिश करते हैं।

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने पर भावुक हुईं रानी मुखर्जी, किए कई खुलासे

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने हाल ही में खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की।

16 साल की उम्र में फिल्म का ऑफर मिला और मैं डर गई थी

30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट आ गले लग जा का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूं तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अंकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं।

उस दौर में फिल्मों में आना कोई सुरक्षित या सम्मानजनक करियर नहीं था

उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था।

'मम्मी ने कहा था, मौका मिले तो कभी मना मत करना'

जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे राजा की आएगी बारात का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

चाह थी कि माता-पिता एक बेहतर जिंदगी दे सकूं

मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूं। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफ कहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता-पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूं। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए।

पैसे भी नहीं होते थे लेकिन सपने बहुत होते थे

पहले हालात ऐसे नहीं थे कि हम किसी अच्छे रेस्तरां में जाकर खाना खा सकें। आज वो आजादी है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पैसे होने के बावजूद हम पहले अपने अपनों के लिए लेते हैं, अपने लिए नहीं। लेकिन आज जब पीछे देखती हूं, तो लगता है कि जिंदगी ने धीरे-धीरे मेरी वो सारी छोटी अधूरी इच्छाएं पूरी की हैं।

पहले मेरे माता पिता जो कहते वहीं करती .. लेकिन फिर नहीं

साथिया से करीब आठ महीने पहले तक मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली थीं। उस वक्त सोशल मीडिया नहीं था। लोग चिट्ठियां लिखते थे। मुझे बहुत सारी चिट्ठियां आती थीं। मेरे डैडी कहते थे कि इन्हें पढ़ो और समझो कि लोग क्या कहना चाहते हैं। उन चिट्ठियों में सिर्फ प्यार नहीं होता था, बल्कि ईमानदार राय भी होती थी। तब तक मैं अपने फैसले खुद नहीं ले रही थी। जो मेरे माता-पिता कहते थे, वही करती थी। लेकिन उसी वक्त मैंने तय किया कि अब मुझे खुद सोचकर फैसले लेने होंगे। मैंने मम्मी-पापा से कहा कि कुछ समय तक मैं कोई फिल्म साइन नहीं करना चाहती।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in